इतिहास दर्पण

(1994–2020)

शीर्षक अनुक्रमणिका

प्रकाशन-विभाग
अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना
बाबा साहेब आपटे-स्मृति भवन, 'के शव-कुंज',
झण्डेवाला, नयी दिल्ली-110055
दूरभाष : 011–23385670
ई-मेल : abisy84@gmail.com , बेबसाइट : www.abisy.org

इतिहास दर्पण

1994 - 2020

शीर्षक अनुक्रमणिका

अनुक्रम-सूची

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	वर्ष 1 अंक 1 (चैत्र प्रतिपदा) मई 1994	05
2.	वर्ष 1 अंक 2 (विजयादशमी) नवम्बर 1994	07
3.	वर्ष 2, अंक 1-2, (चैत्र प्रतिपदा-विजयादशमी) 1995	09
4.	वर्ष 3, अंक 1 (चैत्र प्रतिपदा) जुलाई 1996	11
5.	वर्ष 3, अंक 2, (विजयादशमी) दिसम्बर 1996	13
6.	वर्ष 4 अंक 1 (चैत्र प्रतिपदा) जून 1997	15
7.	वर्ष 4 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 1998	17
8.	वर्ष 5 अंक 1 (विजयादशमी) अक्टूबर 1998	18
9.	वर्ष 5 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 1999	20
10.	वर्ष 6 अंक 1 (विजयादशमी) नवम्बर 1999	21
11.	वर्ष 6 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 2000	23
12.	वर्ष 7 अंक 1 (विजयादशमी) नवम्बर 2000	27
13.	वर्ष 7 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 2001	29
14.	वर्ष 8 अंक 1 (विजयादशमी) नवम्बर 2001	31
15.	वर्ष 8 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 2002	33
16.	वर्ष 9 अंक 1 (विजयादशमी) अक्टूबर 2002	35
17.	वर्ष 9 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) जुलाई 2003	38
18.	वर्ष 10 अंक 1-2 (विजयादशमी-चैत्र प्रतिपदा) 2003-04	40
19.	वर्ष 11 अंक 1 (विजयादशमी) 2005	43
20.	वर्ष 11, अंक 2, (चैत्र प्रतिपदा) मार्च 2006	45
21.	वर्ष 12 अंक 1-2 (चैत्र प्रतिपदा-विजयादशमी) 2007	46
22.	अंक 13 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2008	48
23.	अंक 13 (2) (विजयादशमी) 2008	51
24.	अंक 14 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2009	54
25.	अंक 14 (2) (विजयादशमी) 2009	56
26.	अंक 15 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2010	58
27.	अंक 15 (2) (विजयादशमी) 2010	60
28.	अंक 16 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2011	62

29. अंक 16 (2) (विजयादशमी) 2011 64
30. अंक 17 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2012 66
31. अंक 17 (2) (विजयादशमी) 2012 69
32. अंक 18 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2013 72
33. अंक 18 (2) (विजयादशमी) 2013 75
34. अंक 19 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2014 78
35. अंक 19 (2) (विजयादशमी) 2014 81
36. अंक 20 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2015 84
37. अंक 20 (2) (विजयादशमी) 2015 88
38. अंक 21 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2016 92
39. अंक 21 (2) (विजयादशमी) 2016 94
40. अंक 22 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2017 96
41. अंक 22 (2) (विजयादशमी) 2017 98
42. अंक 23 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2018 100
43. अंक 23 (2) (विजयादशमी) 2018 102
44. अंक 24 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2019 104
45. अंक 24 (2) (विजयादशमी) 2019 106
46. अंक 25 (1 एवं 2) (वर्ष प्रतिपदा एवं विजयादशमी) 2020 108

वर्ष 1 अंक 1 (चैत्र प्रतिपदा) मई 1994

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	सम्पादकीय	9–10
2.	प्रबन्ध सम्पादक की कलम से	11–12
3.	नये सिरे से इतिहास संकलन की आवश्यकता **–नीलकण्ठ मोरेश्वर पिंगले** *[अखिल भारतीय इतिहास योजना के प्रेरक तथा संरक्षक]*	13–16
4.	इतिहास की भारतीय तथा यूरोपीय अवधारणाएँ **–एम. क्रिस्टाफ ब्रिस्की** *[भारत में पौलेण्ड के राजदूत एवं विख्यात शिक्षाविद्]*	17–18
5.	European Connotation of 'Secularism' and its Effects **–Sriram Sathe** *[अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, हैदराबाद]*	19-23
6.	जय एवं इतिहास **–कुंवर बहादुर कौशिक** *[माधव भवन, आगरा]*	24–30
7.	भारतीय कालगणना व इतिहास संकलन : कुछ समस्याएँ **–ठाकुर प्रसाद वर्मा** *[काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी]*	31–36
8.	Should we not believe our ancestral documents? **–Banka Behari Chakravorty** *[Lakshminarayan colony, P.O. Nabapalli, Barasat, District-North, 24-Parganas, West Bengal - 743203]*	37–39
9.	क्या प्राचीन आर्य इतिहास विद्या से अनभिज्ञ थे? **–बी. सी. गुप्ता** *[सदर नागपुर - 440001]*	40–45
10.	The Indus-Saraswati Civilization: An Overiew **–S.P. Gupta** *[Former Director, Allahabad Museum]*	46–52
11.	आर्यों का अभिजन : मध्य एशिया सिद्धान्त का षड़यंत्र और उसके दुष्परिणाम **–ठाकुर रामसिंह** *[अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना]*	53–58

12. अक्षर योग 59–65

–लक्षमण श्रीधर 'बापू' वाकणकर

[इन्स्टीच्यूट ऑफ टाइपोग्राफिकल रिसर्च, पुणे]

13. प्राचीन भारतीय विज्ञान – एक पुनर्मूल्यांकन 66–68

–म. त्र्यं. सहस्त्रबुद्धे, श्री. के चितले.

[नागपुर विश्वविद्यालय, भारतीय इतिहास संकलन योजना संभाग, विदर्भ]

14. The Trans-Pacific Voyages of Ancient Hindu Mariners 69-75
–Sharad Hebalkar

[Dharnini, Adarsh Colony, Ambajogai (Maharashtra) Pin Code-431517]

15. Sambhal Copper Plate of Nagabhatta II : Vikram Samvat 885 76-81
–D.P. Dubey

[Department of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Allahabad-211002]

16. पाटण की सात मंजिला बावड़ी 82–84

–श्रीपाद केशव चितले

[सहसचिव, भारतीय इतिहास संकलन योजना, नागपुर]

17. Rana Hammir's Victory and sequence of events in the Sultanate of Delhi during the rule of Mohammad Shah Tughlag (1325-51 A.D.) 85-91
–Ganeshi Lal Varma

[Ex-lecturer, PGDAV College, University of Delhi]

18. आर्य समाज आन्दोलन का हिन्दु समाज पर प्रभाव–एक विश्लेषण 92–96
–विनोद कुमार वर्मा

[विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, गोपेश्वर कॉलेज, हथुआन (जय प्रकाश विश्वविद्यालय) छपरा]

* इतिहास के आधुनिक आचार्य–सीरीज–1 97–99
–गणेशीलाल

[बरसई गाँव, कोकण क्षेत्र, महाराष्ट्र]

* अखिल भारतीय इतिहास संकलन परिसंघ 100–102

–ठाकुर राम सिंह

* अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना–तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्ताव 103–104

* News Views 105–08

* Shraddhanjali 109

* Guidelines to Contributors 110–111

***

वर्ष 1 अंक 2 (विजयादशमी) नवम्बर 1994

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	आपके पत्र	1–2
	प्रशस्त पथ हो! प्रार्थना	3
	Editorial	4–5
	प्रबन्ध सम्पादक की लेखनी से	6–7
	Section-I	
1.	रीवा जिले के प्रागैतिहासिक चित्र कला में पशु-पक्षियों का चित्रण **–अजय सिंह** *[प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश]*	8–12
2.	बिलपांक स्थित शिव प्रशस्ति का पुरातत्त्व व पुरातत्वेत्ता से संबंध **–ओम प्रकाश पंड्या**	13–16
3.	वैदिक सरस्वती नदी लुप्त होने के कारण **–शशीन्द्र विश्वबन्धु** *[3/75, विहारीपुरा, वृन्दावन-281121]*	17–21
4.	रानीगुम्फा के उकेरणों में दुष्यन्त और शकुन्तला का नहीं, संवरण और तपती की प्रणय कथा का अंकन **–दीनबंधु पाण्डेय** *[रीडर, कला-इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी]*	22–26
5.	अकबर के शासनकाल में वकील के अधिकार एवं कार्य **–राणाप्रताप शाही** *[प्रवक्ता, इतिहास विभाग, हिन्दू डिग्री कालेज, जमानियाँ, गाजीपुर]*	27–28
6.	1857 का यथार्थ : विद्रोह या क्रान्ति **–सुखबीर सिंह** *[अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एस. डी. कालेज, गाजियाबाद]*	29–33
	Section-II	
1.	Antiquity of the Vedic Calender **–K.D. Abhyankar** *[Astronomy Department, Osmania University, Hyderabad-500007]*	34–39
2.	The Importance of Mahendra Hills **–Shiva Priya** *[Lecturer, Dayal Singh College, University of Delhi, Delhi]*	40–41

3. Arunkalanvayam, A Jain Sect. 42–45
–C.M. Ganapathy
[Department of Archaeology, Madras]

4. Polity and Urbanisation in Anantapur District in Medeival Period 46-49
–K. Satyamurthy

5. Motives Behind Colonel Tod's 'Annals and Antiquities' 50-56
–S.C. Mittal
[Professor of History, Kurukshetra University (Haryana)]

6. Mismanagement of Tripurasundari and other public Temples in Tripura 57-58
–Jagdish Ganchaudhari
[Reader in Political Science, B.B.E. College, Agartala, 799004]

7. U.P. Press on the eve of Quit India Movement 59-63
–V.S. Rai
[Lecturer in History, S.D. (P.G.) College, Ghaziabad]

8. Political Struggle in Jammu and Kashmir in the Thirties and Forties of Twentieth Century : An Interpretation 64-70
–N.K. Singh

Section-III

1. भारत-विभाजन पर चर्चा-तत्कालीन वायसराय का मत 71–75
2. समाचार तथा विचार 76–77
3. Demographic Data : Distrubing Trends 78
4. World Beauty's Tribute to Indian Culture and Tradition 79
–Susmita Sen
5. Movements against the siege Metality of Muslims in India and Abroad 80–85
6. इतिहास संकलन योजना दिल्ली-समाचार पत्रों में 86
राष्ट्र प्रकाश
[मंत्री, भारतीय इतिहास संकलन योजना समिति, दिल्ली]
7. महामंत्री की आख्या 87–91
8. New Books 92
9. स्वामी आनंदबोध सरस्वती : पुण्य स्मरण 93
10. श्रद्धांजलि 94
11. Guidelines to Contributors 95-96

वर्ष 2, अंक 1-2, (चैत्र प्रतिपदा-विजयादशमी) 1995

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	Managing Editor's Note **–Suresh Chandra Vajpai**	V
	Editorial : Greater than Pompey and Caeser **–Ganeshi Lal Verma**	
1.	The Lost Courses of the Saraswati River in the Great Indian Desert : New Evidence from Landsat Imagery **–Bimal Ghose, Amal Kar and Zahid Husain** *[Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur]*	1-4
2.	Philosophy of Altars and Citis (चिति) in the Apastamba Sulba Sutram **–Damodar Jha** *[Reader, V.V.B.I.S.4.I.S, Punjab University, P.O. Sadhu Ashram, Hoshiarpur-146021]*	5-7
3.	5000 Years Old Treasures from Kunal, Haryana **–A.K. Khatri and M. Acharya** *[Deptt. of Archaeology, Govt. of Haryana, Chandigarh]*	8
4.	The Sign For Zero **–Subhash C. Kak** *[Professor, Deptt. Of Electronics, Louisiana State University, Baton Rouge, U.S.A.]*	9-12
5.	Rama Janmabhumi : Presidential Reference and Archaeological Evidence - A Reappraisal **–Swarajya Prakash Gupta** *[Chairman, Indian Archaeological Society, B-17, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016]*	13-32
6.	Reappraisal of Delhi Monuments **–P.B. Sharma**	33-36
7.	The Plague of 1897-1907 and the Socio-Political Behaviour of the Subject-People with Special Reference to U.P. **–Ganeshi Lal Verma** *[House No. 4423, Aryapura, Delhi-110007]*	37-42

8. The Maratha Policy Towards Forest of C.P. Berar : 1750-1853 A.D. 43-46

–Prabhakar Gadre

[Head of Dept. of History, Bhawabhuti Mahavidyalaya, Amagaon (Disst. Bhandara), Nagpur University]

9. काशी में गणेश पूजन एवं निर्माण की परम्परा 47–50

–विजय प्रकाश सिंह

[कला इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005]

10. बौद्ध मत में प्रतीकोपासना एवं प्रतिकोपासना 51–53

–महेन्द्रनाथ सिंह

[प्रवक्ता, प्राचीन इतिहास विभाग, उदय प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)]

11. वैदिक सरस्वती नदी शोध संगोष्ठी, जोधपुर : संक्षिप्त विवरण 54–56

वर्ष 3, अंक 1 (चैत्र प्रतिपदा) जुलाई 1996

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	Editorial **–G.L. Verma** Managing Editor's Note **–Suresh Chandra Vajpai**	
1.	The Structure of the Rigveda **–Subhash C. Kak** *[Louisiana State University, baton Rouge, L.A. 70803-5901, USA]*	1-4
2.	History - Its Meaning and Scope **–Ravi Prasad Arya** *[Sector 1, Rohtak, Haryana]*	5-7
3.	Aharyabhinaya in the Natyasastra Tradition **–Anupa Pande** *[National Museum Institute of History of Art, New Delhi]*	8-11
4.	Religious Syncretism and the Cult of Manasa **–Sushmita Pande** *[Asst. Professor, Prachya Niketan Advanced Centre of Museology & Indology, Bhopal]*	12-13
5.	Ayodhya of the Ramayana : Where did it exist? **–D.P. Dubey** *[Lecturer, Dept. of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Allahabad]*	14-23
6.	Cow-slaughter in Midieval India **–K.S. Lal** *[Indian Archaeological Society, B-17, Qutab Inst. Area, New Delhi-16]*	24-28
7.	A Little Known Desh Bhakt Samaj and its importance in the Freedom Struggle of India **–Ganeshi Lal Verma** *[House No. 4423, Aryapura, Delhi-110007]*	29-33
8.	Quiet flows the Saraswati in the Himalayas **–Raghu Raj Singh** *[II-2, Vigyan Nagar, Kota-324005, Rajasthan]*	34

9. Seminar on ' Distortion of History - The Current Experience' - A Critique 35-40
–B.R. Grover
[49/10, East Patel Nagar, New Delhi-110008]
10. Some Lesser Known Facts of History 41-44
–R.S. Govil
[V-17 Qutub Institutional Area, New Delhi-16]
11. Minutes of the Workshop on Search for Vedic Sarswati River held at RRSSC-J on 9th February Jodhpor 45-46
–Vishvabandhu
[Keshav Kunj, Jhandevalan, New Delhi]
12. Indian History Congress Session 1995 : A Critique 47-51
–B.R. Grover
[49/10 East Patel Nagar, New Delhi-110008]
13. इतिहास लेखन : एक सांस्कृतिक दृष्टि 52–53
–उदय प्रताप सिंह
[प्राध्यापक हिन्दी विभाग, डिग्री कॉलेज, गाजीपुर]
14. गोरखपुर के दान पात्रों में पवित्र तिथियाँ एवं पर्व 54–56
–चन्द्रमौलि शुक्ल
[एस.बी.एम. डिग्री कॉलेज, पावानगर, देवरिया]

वर्ष 3, अंक 2, (विजयादशमी) दिसम्बर 1996

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	Editorial **–G.L. Verma and Anupa Pande** Managing Editor's Note **–Suresh Chandra Vajpai**	
1.	The Age and Size of Universe as per Hindu Calculations **–K.R.K. Mohan** *[H.No. 11-19, P&T Colony, Dilkush Nagar, Hydrabad-500060]*	1-4
2.	The Blind Men and The Elephant : A Study in Parabolic Versatility **–Arvind Sharma** *[Faculty of Religion, Mc Gill University, 3520, University Street, Montreael, Canada-H3A247]*	5-6
3.	Prominent Arms and Armours in Mahabharata **–U.N.Upadhyay and D.P. Tiwari** *[D.A.V. College, Lucknow; Deptt. of Ancient History & Archaeology, University of Lucknow, Lucknow (U.P.)]*	7-10
4.	Analysis of Few Illustrated Manuscripts in Jammu Collection **–Anita Billawaria** *[Sr. Fellow, Centre for History & Culture, Deptt. of History, Jammu University, Jammu]*	11-14
5.	Chola Temple at Pushpagiri **–G.S. Ramachandra Murthy** *[Head, Deptt. of History (Retd.), AG & SG Degree College, Vuyyuru-521165, Krishna Dist. (A.P.)]*	15-16
6.	Brihattar Bharat : Hindu Vietnam **–S.K. Srivastava** *[Deptt. of History, Raja Singh College, Siwan (Bihar)]*	17-19
7.	Christianity In India : Some Aspects **–V.W. Deshpande**	20-22
8.	Perfidious Mughal Rule and Weakening of Rajput States **–R.S. Sangwan** *[Kurukshetra (Haryana)]*	23-27

9. Resistance to Muslim Invasions in Tripura 28-29
–Jagdish Gan- Chaudhari

10. पंजाब के (अप्रकाशित) मध्यकालीन ऐतिहासिक हिन्दी वीर काव्यों के आलोक में हिन्दू-सिख शक्ति का अभ्युदय 30–36
–रामप्रकाश
[के.डी. 56, बी., अशोक विहार-1, दिल्ली-110052]

11. सूरत पर शिवाजी के हमले 37–41
–जे.वी. पटेल
[आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कालेज, चीखली, जि. बलसाड (गुजरात)]

12. दिल्ली-पतन के पश्चात् 42–44
–मीना श्रीवास्तव

13. असीरगढ़ का किला 45–46
–दिलीप माहेश्वरी
[85, एम.जी. रोड, बड़वानी-451551 (मध्यप्रदेश)]

14. चौहान शक्ति द्वारा मुस्लिम आक्रमणों का प्रतिरोध 47–51
–शिवदान सिंह हाडा
[ठिकानी गोढड़ा, शिख सदन, पुराना बग्घीखाना, नयापुरा, कोटा (राजस्थान)]

15. गोपाचल क्षेत्र की मराठा कालीन चित्रकला 52–55
–कुमकुम माथुर
[सहायक प्राध्यापक, चित्रकला विभाग, शासकीय कमला राजा स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (मध्यप्रदेश)]

16. कुतुबमीनार (वेध यूप यान) के शिल्पी वराहामिहिराचार्य 56–60
–आचार्य बापू (ल.श्री.) वाकणकर 'लिपिकार'
[दिलीप माहेश्वरी, 85, एम.जी. रोड, बडवानी, मध्य प्रदेश-451551]

17. Notes on Ram Janmabhumi Inscription 61-73
–K.V. Ramesh, T.P. Verma, A.K. Singh, Sudha Malaiya, Ajay Mitra Shastri, G.C. Tripathi and D.P. Dube

वर्ष 4 अंक 1 (चैत्र प्रतिपदा) जून 1997

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganeshi Lal**	5
2.	Yagnas in The life of Tamils (as given in Sangam Literature) **–T.V. Rangarajan** *[Madurai, Tamilnadu]*	7-10
3.	Harappans Wrote in Vedic Language And Read It From Left To Right Direction **–Ramesh Jain** *[Asst. Professor, Deptt. of Arch. & Planning, Maulana Azad College of Technology, Bhopal-462007 (M.P.)]*	11-18
4.	Identification of the first Indian King and Three Republics from Dionysos to Sandrakottus **–Ganeshi Lal Verma** *[4423, Arya Pura, Delhi-110007]*	19-21
5.	Arunka Lanvayam **–C.M. Ganapathy** *[Department of Archaeology, Madras]*	22-24
6.	Hindu Content of Revolutionary Politics in Bengal **–Amalendu Mookerjee**	25-28
7.	Subhas Chandra Bose, National Movement and Militant Strategy **–Pranab Kumar Chatterjee** *[Reader in History, Bidhannagar Government College, Calcutta*	29-37
8.	Saiva Sects and the Position of women in Central India from 300-1200 AD **–Neeta Dubey** *[Prachya Niketan Bhopal, 43, Dwarkapuri Bhopal-462003 (M.P.)]*	32-33
9.	A New Light on the Santals of Mayurbhanj, Orissa **–Shirish Chandra Parida** *[M.A. (Utkal) B.V.Sc. & A.H. (OUAT)]*	34-35
10.	Historicity of Ramayanic Characters **–Anil Kumar Tyagi** *[Lecturer, Shari Aurobindo College (E.V.) New DelhiùPaper presented at Akhil Bhartiya Itihas Sankalan Yojjana, IVth National Conference, Bhopal, Dated 1, 2 and 3rd Nov. 1996]*	36-40

11. Communal Harmony in Junagadh State During 19th Century 41-42
–A.M. Kikani
[Proffeser & Head, P.G. Deptt. Of History Saurashtra University, Rajkot]

12. करक चतुर्थी : सांस्कृतिक रूपरेखा 43–45
–विजया केशव सिन्हा
[उपाचार्य, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग अध्ययनशाला, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर]

13. विश्वक् सेन कृष्ण – ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में 46–49
–गणेशीलाल
[4423, आर्यपुरा, दिल्ली–110007]

14. हूणों की प्रारम्भिक सामरिक गतिविधियाँ 50–52
–बृजभूषण सिंह
[विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रतापगढ़ (उत्तर–प्रदेश)]

15. दिल्ली: एक इतिहास यात्रा 53–57
–रामप्रकाश
[के.डी. 56 बी. अशोक विहार–1, दिल्ली–110052]

16. नागों की राजधानी–सांस्कृतिक नगरी पद्मावती 58–59
–कृष्णा गुप्ता
[प्राचार्य, डी. पी. एस. महाविद्यालय, दबोह (भिण्ड) (मध्य प्रदेश)]

17. महाभारत काल से जुड़ी अकोला जिले की 'माना' 60–62
(मणिपुर) नगरी
–प्रदीप रत्नपारखी
[दादा रत्नापारखी, 'नगर परिषद् कॉलोनी', अकोला, विदर्भ प्रांत (महाराष्ट्र)]

18. नेपाल प्रकरण नये प्रकाश में 63–65
–वा. ब. खापर्डे
[विदर्भ, महाराष्ट्र]

19. नेताजी सुभाष चन्द्र बसु : महत्वपूर्ण तिथियाँ 66–67

20. आर्य्यावर्त्तदेशीय राजवंशावली 68–70

21. अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना चतुर्थ–राष्ट्रीय अधिवेशन 71–77
–राजेन्द्र कुशवाहा
[महामंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना]

22. अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के 78–80
चतुर्थ अधिवेशन की कुछ झलकियाँ

वर्ष 4 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 1998

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial	5-6
2.	Glaciological and Geological Source of Vedic Saraswati in the Himalayas **–V.M.K Puri and B.C. Verma**	7-36
3.	Saraswati River : Historic Legacy and Developmental Challenge **–S. Kalyamaraman**	37-50
4.	The Indus-Saraswati Civilizations : An Overview of Problems and Issues **–S.P. Gupta**	51-55
5.	प्रबोधन **–मोरेश्वर नीलकण्ठ पिंगले**	56–58
6.	इतिहास की भ्रांतियाँ और उनका निराकरण **–वि॰ श्रीधर वाकणकर** *[उज्जैन, मध्य प्रदेश]*	59–64
7.	उत्तर पश्चिम राजस्थान में सरस्वती नदी **–चम्पालाल सालेचा** *[अध्यक्ष, वैदिक सरस्वती नदी शोध संस्थान, जोधपुर]*	65–72
8.	सरस्वती नदी का मूल उद्‌गम् **–हेमेन्द्र कुमार** *[526/2ए/2बी, गली–4, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली–32]*	73–76
9.	विलुप्त सरस्वती और प्रागैतिहासिक हरियाणा : एक पुनर्मूल्यांकन **–अरूण केसरवानी** *[कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र]*	77–84
10.	विलुप्त सरस्वती नदी के विविध प्रवाह **–जयनारयण आसोपा** *[जयपुर, राजस्थान]*	85–90
11.	मरूस्थल में विलुप्त सरस्वती की खोज **–मदन गोपाल व्यास**	91–93
12.	अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के बढ़ते चरण **–राजेन्द्र कुशवाहा** *[महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना]*	94
13.	इतिहास दर्पण – परिचयात्मक सूचना	95–96

वर्ष 5 अंक 1 (विजयादशमी) अक्टूबर 1998

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	Editorial	
1.	Indraprastha to Delhi **–Rajendra Singh Kushwaha** *[D-228, Nirman Vihar, Delhi - 110092]*	1-6
2.	The Hindu Dynasties of Indraprastha and Delhi **–Rajendra Singh Kushwaha** *[D-228. Nirman Vihar, Delhi-110092]*	7-17
3.	Paurva Kings of Indraprastha and Hastinapura, after Mahabharat as given in Vayu and Matasya Puranas **–F.E. Pargiter**	18-20
4.	इन्द्रप्रस्थ और उसका प्रथम राजवंश **–गणेशी लाल** *[4423, आर्यपुरा, सब्जीमंडी, दिल्ली-110007]*	21–24
5.	'महाभारत' और इन्द्रप्रस्थ नगर की सार्थकता **–हेमेन्द्र कुमार सिंह** *[527/2ए/2बी, गली-4, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032, फोन-011-2054763]*	25–35
6.	इन्द्रप्रस्थ : पुराण-संदर्भ **–रामप्रकाश** *[के.डी. 56 बी., अशोक विहार-1, दिल्ली-110052, फोन-7215098]*	36–43
7.	The Bhartiya Concept of History **–Balraj Madhok** *[New Rajendra Nagar, New Delhi]*	44-45
8.	Indra, The Victorious God of Saraswati-Gangetic Region **–Abinash Chandra Das**	46-49
9.	Origin, Growth and Expansion of the Ailas **–F.E Partiger**	50-54
10.	Aryan or Ailas Expansion from India to North West and Central Asia **–Govind Krishna Pillai**	55-58

11. Roma – The Hindu Gypsies Abroad 59-60

–Shyam Singh Shashi

[Padmashri Dr. Shashi, Ph.D., D.Litt., Former Director General, Pub. Divn. Govt. of India has 200 books to his credit on variety of subjects including poetic and encyclopaedic works. He studies Indian tribes and Roma Gypsies of the world for which he travelled 52 countires of Asia, Europe and America.]

12. Historicity of Bandit Psychology 61-62

–Shrawan Kumar

[2-K 16, Pratap Nagar, Manu Marg, Alwar-301001 (Rajsthan)]

13. The Great Bengal Famine of 1943 and Responsibility of the Muslim League Ministry 63-65

–Pranab Kumar Chatterjee

[Principle, Haldia Govt. College, West Bengal Senior Educational Service and President, Bharaeeya Itihas Sankalan Samiti, West Bengal; Resi. B.B. 35/7, Sector I, Salt Lake, Calcutta-700064]

14. इतिहास शब्द का व्युत्पत्ति मूलक अर्थ 66–72

–कुंवर बहादुर कौशिक

[साहित्य संवर्धिनी सहकारी समिति, तारा मण्डल, गोरखपुर]

15. विदेशी आक्रमणकारी का सर्वनाश (भारतीय-इतिहास का एक लुप्त अध्याय) 73–77

–विनोद कुमार मिश्र

[161-ए, रसूलाबाद, पो.-केवेलरी लाईन्स, इलाहाबाद- 211008]

16. हरकिसुन सिंह 1857 का उपेक्षित स्वतंत्रता सेनानी 78–82

–राजेन्द्र सिंह कुशवाहा

[डी-228, निर्माण विहार, दिल्ली-110092]

17. ग्वालियर राज्य बनाम गारंटी राज्यों का उदय-मराठा और राजपूतों में फूट डालो राज्य करो की नीति 83–89

–आनन्द मिश्र

18. डॉ॰ विष्णु श्रीधर वाकरणकर स्मृति राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह 90–91

–कुलभषण गुप्ता

वर्ष 5 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 1999

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganesh Lal Verma**	4
2.	From the Pen of Guest Editor **–Ravi Prakash Arya**	5-19
3.	Antiquity of Bharatiya Era-A Test of Authenticity **–Ravi Prakash Arya** *[105, Sector - 1, Rohtak - 124001 (Haryana)]*	20-27
4.	Vedic Astronomers **–P.V. Holay** *[West Park Road, Dhantoli, Nagpur (Maharastra)]*	28-37
5.	Use of Astronomy in Re-structuring Indian History **–A.K. Upadhyay** *[B-9, CB-9, Cantonment Road, Cuttack-753001]*	38-46
6.	भारतीय कालमान **–पं॰ भगवद्दत्त** *[पं. भगवद्दत्त उद्भट विद्वान्, मौलिक चिंतक और अद्वितीय भाषाविद् थे। उनकी कल्पना थी कि भारतीय स्रोतों से भारत का वास्तविक इतिहास लिखा जाए। भारतीय इतिहास की विकृतियां और भ्रमात्मक निरूपण को निरस्त करके भारतीय इतिहास के सत्य को उजागर किया जाए। आपने इस प्रयास में भारतीय इतिहास के दो खंड भी प्रकाशित किये। वास्तव में ये दोनों खंड उनकी विशाल योजना की भूमिका मात्र थे। प्रस्तुत लेख की सामग्री उन्हीं खंडों से संग्रहीत की गयी है।]*	47–68
7.	भारतीय ज्योतिर्विज्ञान में सौरमंडल **–दामोदर झा**	69–73
8.	उज्जैन का गणवादी साम्राज्य तथा संवत प्रवर्तक विक्रमादित्य **–गणेशी लाल वर्मा** *[4423, आर्यपुरा, सब्जीमण्डी, दिल्ली–110007]*	74–79
9.	योजना के बढ़ते चरण **–राजेन्द्र कुशवाहा (महासचिव)** *[महासचिव, भारतीय इतिहास संकलन योजना]*	80–82

***

वर्ष 6 अंक 1 (विजयादशमी) नवम्बर 1999

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	Editorial –**Ganeshi Lal Verma** From the Pen of the Guest Editor –**Murlidhar Jetloy** *[D-127, Vivek Vihar, Delhi-110092]*	
1.	Pilgrimage to Hingulaj **–Murlidhar K. Jetley** *[D-127, Vivek Vihar, Delhi-110092]*	1-3
2.	Jhule Lal : An Incarnation of God Varuna **–Ram P. Panjwari** *[Prof. and Head of Sindhi Deptt., University of Mumbai, Mumbai (MH)]*	6-9
2A.	Amarlal or Oderolal : River Deity of Sindhis **–L. H. Ajwani** *[Principal, National College, Bandra, Mumbai (MH)]*	10-11
3.	Four Ancient River of Sind **–M. H. Panhwar** *[Sindh (Pakistan)]*	12-17
4.	The Indus River & Arab Period in Sindh **–Louis Flam**	18-22
5.	The Pre-Muslim Antiquities of Sind **–J. E. Van Lohuizen** *[University of Amsterdam (Netherlands)]*	23-24
6.	The Protohistory of Sind (3000-1000 B.C.) **–Mohammad Rafique Mughal** *[Archaeologist of Pakistan]*	35-36
7.	In Search of the Indus Culture Sites in Sind **–N. A. Baloch** *[Hyderabad, Sindh (Pakistan)]*	37-40
8.	Ancient Sindhu and Sauvira **–B. D. Mirchandani** *[ICS Officer and Historian]*	41-47
9.	An Early Arabic Version of the Mahabhrata Story from Sindh **–Sunit Kumar Chatterji**	48-51

10. The Riddle of the Indus Script and Krishna Chandra Jetley's Contribution to Solve it 52-62
–L. S. Wakankar
11. Deciphering the Indus Valley Script 63-70
–S. R. Rao
12. The Magic Key to Indus Valley Seals 71-73
–Subbarayappa
13. Indus Script Deciphering (The Calestial Deifications) 74-79
–Kurt Schildmann
14. प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति का विस्तार 80–83
–कृष्णचन्द जैतली
15. मोहनजोदड़ो हड़प्पा मुद्राओं में ननाा देवी का वर्णन 84–85
–कृष्णचन्द्र टोपण लाल जैतली
16. सिन्धी भाषा की लिपियाँ 86–89
–मुरलीधर जैतली
17. अमर शहीद हेमू कालाणी 90–91
–सरल ज्ञाप्रटे
18. योजना के बढते चरण 92–96
–राजेन्द्र कुशवाहा
[महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, दिल्ली]

वर्ष 6 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 2000

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganeshi Lal Verma**	1
2.	Bhakti In Our Ancient Lore **–K.S. Ramanuja Acharyulu**	2-3
3.	Bhakti Movement --- A Great Hindu Revival **–Ravi Prakash Arya** *[B-503, Delhi Adm. Flats, Timarpur, Delhi]*	4-7
4.	A Critical Analysis of the Influence of Sufism on the Bhakti Movement **–K.V. Ramkrishna Rao**	8-15
5.	Effects of Bhakti Movement on Hindusthan **–M.B. Chande**	16-21
6.	The Establishment of the divine Rule (The acievement of the saits of Maharastra) **–Sharad Hebalkar** *[Ambajogai, (Maharashtra)]*	22-25
7.	Bhakti Cult as the Source of Renaissance in Eastern India **–Dilip Kumar Kanjilal** *[Ex-Principal, Sanskrit College, Calcutta and Former Research Fellow, Associate of Commonwelth Universities, U.K.]*	26-28
8.	The Emerging Trends of Religio- Cultural Revival and The Bhakti Movement Among The Tribes of Indo-Myanmar Border **–Narayan Singh Rao** *[Department of History, Rang-Frah Govt. College, Changlang, PO/Dist-Changlang-792120 (Arunachal Pradesh)]*	29-35
9.	The Offshoot of the Warakari Sampradaya in Punjab **–V.W. Deshpande** *[Audumbar Society, Dr. Moose Rd., Thane (W)-400602 (Phone-5412569)]*	36-40
10.	Bhakti Movement :Its Culmination In The Bhakti-Shakti Cult of Punjab **–R.K. Parashar** *[Dept. of English, D.A.V. College, Jalandhar (Panjab)]*	41-45
11.	Basaveshwara's Contribution Towards Bhakhti Movement for National Renaissance **–Arun Joshi** *[Advocate, No.50 ôSri Renuka Shardaö Colony, Vidyagiri, Dharwad-4, Karnatak.]*	46-48

12. "Bhakti Movement in Karnatak" With reference to Dasa & Sharana Bhakti Literature-A Great Renaissance (Puradhara Das and Kanaka Das and Basveswars & Sarvajna) 49-53
–R.N. Aralikatti

13. Bhakti Movement of Tamils 54-55
–S. Muthukumaran
[Former Vice Chancellor, Bharathidasan University]

14. Bhakti Movement and Meera Bai 56-59
–Subhash Chandra Sharma

15. Bhakti Movement in Tripura 60-61
–J. Gan Chaudhuri

16. Medieval Mysticism, Bhakti Movement in Bengal, its Facets and Impact on the Society. 62-68
–B. P. Saha

17. The Bhakti Cult, Its Relation With Sri Chaitanya's Neo-Vaishnavism and the Impact of Neo-Vaishnavism in Bengal 69-74
–P.K. Maity
[Jadavapur]

18. Socio-Cultural Background of Sri Caitanya's Bhakti Movement in Bengal and New Awakening 75-79
–Pranab Ray

19. Bhakti Movement: Mahaprabhu Shri Chaitanya & Achintya BHEDA BHEDA Tatva 80-83
–Sujit K. Chaudhuri

20. Religious Philosophy of Mahapurus Srimanta Sankardev and the Satra Institution 84-86
–Dillip Kr. Phukan

21. भक्ति आन्दोलन–एक महान् राष्ट्र जागरण : पश्चिमी राजस्थान के संदर्भ में 87–91
–जानकी नारायण श्रीमाली
[ब्रह्मपुरी चौक, बीकानेर (राजस्थान)]

22. बुन्देलखन्ड के भक्ति आन्दोलन में राष्ट्रीय जागरण के तत्त्व 92–97
–रामस्वरूप ढेंगुला
[कुजंनपुरा, दतिया-475661 (मध्य प्रदेश)]

23. गुरू नानक : महान राष्ट्र प्रबोधक 98–101
–महेन्द्र प्रताप थापर
[कालिया कम्प्यूटर्ज, मंडी रोड, जालन्धर शहर, (पंजाब)]

24. निजानंद संप्रदाय याने श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म द्वारा राष्ट्र जागरण 102–105

–क्रांतिभाई मोदी

[सच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादिहेववे। तापत्रय विनाशाय श्री कृष्णाय वयं नमः।।–श्रीमद् भागवत्]

25. हरियाणा में भक्ति आन्दोलन 106–107

–परमानन्द गुप्त

[935/13, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कुरुक्षेत्र–136118 (हरियाणा)]

26. ग्वालियर के भक्त कवि विष्णुदास एवं भक्ति आन्दोलन में उनका स्थान 108–111

–आनन्द मिश्र

[विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डबरा (मध्य प्रदेश)]

27. महाराष्ट्र के संतों की विचारधारा का सामाजिक पक्ष (निबंध का सारांश) 112

–प्र॰ ग॰ लाल्ले

28. तेलुगू मराठी संत साहित्य में जनजागरण की समानता (निबंध का सार) 113

–लक्ष्मीनारायण बोल्ली

[बी 2/1, अक्कलकोट रोड, एम.आई.डी.सी., सोलापुर–413006]

29. भक्ति आन्दोलन – एक महान राष्ट्र जागरण (तुलसी की रामभक्ति एवं राष्ट्र जागरण) 114

–रवीन्द्र नाथ

[सी/184/351, तुर्कमानपुर, गोरखपुर–2730051]

30. मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन और गुजरात का भक्त कवि अखा 115–118

–प्रफुल्ला जे॰ रावल

[एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास भवन, सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी, राजकोट–5]

31. सौराष्ट्र में भाण संप्रदाय और संत त्रिकमसाहेब (आलेख का सारांश) 119

–सोरठीया अनसुयाबेन ऐम॰

[स्व. एम.जे. कुंडलिया कॉलेज, राष्ट्रीय शाला ग्राउण्ड, राजकोट–1]

32. भक्ति आन्दोलन और ईसरदास रोहड़िया (आलेख का सारांश) 120

–अंबादान रोहड़िया

[रीडर, गुजराती भाषा–साहित्य भवन, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट–4]

33. सौराष्ट्र के संत नरसिंह मेहता और मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन–एक अध्ययन (सारांश) 121

–ए॰ एम॰ किकानी

[प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, इतिहास अनुस्नातक भवन, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट]

34. सौराष्ट्र के भक्ति आन्दोलन में भक्तों की भूमिका और कार्य (आलेख का सारांश) 122

–मधुभाइ भट्ट

[3-7, अल्का सोसायटी, राजकोट-4]

35. अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना का पाँचवां अधिवेशन 123-125

–राजेन्द्र कुशवाहा

[अखिल भारतीय महासचिव, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशवकुंज, झंडेवालान, नई दिल्ली]

वर्ष 7 अंक 1 (विजयादशमी) नवम्बर 2000

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	From the pen of Guest Editor-Purbaprant of Bharatavarsha in Ages **–Bharat Chandra Kalita**	1
2.	Historical glory of Eastern Bharat and its resistance against alien invaders **–Amulya Chandra Sarma**	2-5
3.	Hill Tribes of North-East India **–Khagen Chandra Mahanta**	6-9
4.	A Hundred Years of Demographic Trend in the North-Eastern Region of India **–D. D. Mali**	10-15
5.	History of the Longchangs of Changlang (Arunachal Pradesh): Their Origin, Migration and Identity **–Narayan Singh Rao** *[Department of History, Rang-Frah Govt. College, Changlang-792120 (Arunachal Pradesh)]*	16-34
6.	A Few Important Archeological Sites of the Brahmputra Valley **–Pradip Sarma**	35-40
7.	Historical Importance of the Battle of Saraighat 1671 (Saga of Medieval Assam) **–Bharat Chandra Kalita**	41-44
8.	The Ambari Finds **–Paromita Das**	45-49
9.	Influence of Ramayana in Assam **–Mousumi D. Pathak**	50-52
10.	Sabin Alun : The Karbi Ramayana **–Dipankar Banerjee**	53-56
11.	Tradition of Sanskrit Learning in Assam in Historical Perspective **–Ashok Kumar Goswami**	57-63
12.	Sankardeva and The Artistic Expression of the Neo-Vaisnava Movement in Assam : An Overview **–Pradip Jyoti Mahanta**	64-66
13.	MANIPUR - India's Gateway to the East : Linking up the Past and Present **–Krishnakanta Singh**	67-71

14. Landmarks in the Cultural History of Manipur 72-74
–Padmashri R.K. Jhalajit Singh
15. The Rise of Vaishnavism In Manipur 75-78
–Konsam Manikchand Singh
16. The Story of U Kiang Nangbah 79-83
–R.T. Rymbai
17. Togan Nengminza Sangma 84-85
–M. S. Sangma
18. U Tirot Singh (1802-1834) 86-87
–Hipson Roy
19. A Glimpse at the History of the Oldest People of Mizoram The Lai (Chin) People 88-91
–Balaram Chakravarti
20. The Nagas - Their Original Home-Land and Migration 92-97
–Balaram Chakravarti
21. The Tradition of the Ramayana and Tripura 98-100
–Sitanath Dey "Bharat Gaurav"
22. Resistance to Muslim Invasions in Tripura 101-102
–Jagadish Gan-Chaudhuri
23. महाभारत कालीन भारत का सुदूर-पूर्व क्षेत्र 103-105
–हेमेन्द्र कुमार
24. अपराजित असम 106-109
–गणेशी लाल वर्मा
[4423, आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007]
25. योजना के बढ़ते चरण 110-112
–राजेन्द्र कुशवाहा
[भारतीय इतिहास संकलन योजना, झंडेवालान, नई दिल्ली]

वर्ष 7 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 2001

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganeshi Lal**	1
2.	The Hindu Temple at Ayodhya Pre -Babari Mosque Sanskrit Inscription from Aodhya **–Ajay Mitra Shastri** *[Prachi, 23-Vidya Vihar, Rana Pratap Nagar, Nagpur]*	2-9
3.	When Afghanistan was integral part of Hindu Commonwealth **–Ganesh Lal Verma** *[4423, Aryapura, Delhi-11007]*	10-19
4.	Antiquity and Accuracy of Surya Sidhanta–Arun Kumar Upadhyay *[Cuttack (Orissa)]*	20-31
5.	The Science of Sita **–Randhir Singh** *[369-Karnal Road, Shamli Town, in Mujaffarnagar Distt.-247776 (U.P.), The views expressed in this research paper are of the writer and not of Akhil Bhartiya Ithas Sanklan Yojana.]*	32-37
6.	Bees and Beekeeping in Ancient India **–K.K. Kshirsagar** *[1294, Shukrawar Peth, 7th Lane, Subhashanagar, Pune-411002, India]*	38-40
7.	Ramayana in Asia **–Harish Kumar Chaturvedi** *[Mr. S.K. Dutta, Civil Engg. Office]*	41-46
8.	Archaeology of Arunachal Pradesh **–D. K. Bora & J. C. Dutta**	47-53
9.	The Antiquity of the Female Kingdom of North Eastern India **–Pratima Choudhary** *[Oakland, Shillong-1, Mehalaya-793001]*	54-57
10.	The Similarities of Festivals of Assam with those of the Rest of India **–Navin Chandra Sharma** *[Professor, Dept. of Folklore Research, Guwahati University, Guwahati-14, Assam]*	58-64

11. श्याम जी कृष्ण वर्मा तथा 'होमरूल' आन्दोलन 65–71

–गणेशी लाल

[4423, आर्यपुरा, दिल्ली–110007]

12. वैदिक नदी सरस्वती–परिवेक्षण, विचार और सुझाव 72–79

–राम सिंह शेखावत

[498, महात्मा गाँधी मार्ग, मल्हार गंज, इन्दौर–452002 (मध्य प्रदेश)]

13. सकीट का संक्षिप्त इतिहास 80–82

–धर्मेन्द्र सहाय

[धर्मेन्द्र सहाय एडवोकेट, गली धान मील, एटा (उत्तर प्रदेश)]

14. योजना के बढ़ते चरण 83–84

–राजेन्द्र कुशवाहा

[बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली]

वर्ष 8 अंक 1 (विजयादशमी) नवम्बर 2001

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganeshi Lal Verma**	1
2.	From the pen of Guest - Editor **–G. K. Pai**	2
3.	Adi Shankracharya **–Rajendra Singh Khushwaha** *[D-228, Nirman Vihar, Delhi-110092]*	3-6
4.	Sree Narayana Guru and the upliftment of the Lower classes **–C.S. Geetha Lakshmy and Geetha Suraj** *[Selection Grade Lecturer, S.N.M. College, Maliankara, P.O. (Via) Mootha, Kunnam, Ernakulam-683576; Peruvaram, N. Paravoor Ernakulam Distt. Pin-683573]*	7-11
5.	Ganitaparamparha of Kerala **–C. Krishnan Nambudiri** *[Sree Padam, Asokapuram, Kozhikode, Pin-673001]*	12-16
6.	Model of Planetary Motion in the Works of Kerala Astronomers **–K. Ramasubramanian** *[Department of Theoretical Physics, University of Madras, Guindy Campus, Madras-600025, India]*	17-30
7.	Symbolism in the Temples of Kerala **–Narayanan Chittoor Namboodiripad** *[Chrltoor Mana, Cherpu West, Thussur, Kerala-680573]*	31-35
8.	The Paintings and Sculptures of Kerala **–Balan Tanur and Sumathi. N**	36-40
9.	The Spread of Christianity and Islam in Kerala-A Study on Trend and Patern **–C.I. Issac** *[Chavanickamanil House, Vadavathoor. P.O., Kottayam-686010 (Kerala)]*	41-48
10.	Theyyam Cult and Cultural Heritage of North Malabar and Thulunadu **–Kuttamath A. Sreedharan**	49-55
11.	Industrialisation of Kerala – Ancient and Modern **–V. Devarajan** *[Vice President of Bharatiya Vichar Kendram, Keralam, Deputy General Manager in FEDO, Email:-drajjj2001@yahoo.com]*	56-62

12. Communist Movement in Kerala 63-65

–Balakrishnan, P.P.

13. Resistance to British Power in Travancore - A Study of Diwan Velu Tempi Dalava (1765-1809) In the Pre-mutiny period of Indian History 66-75

–T.P. Sankarankutty Nair

[Department of History, University College, Tiruvanantapuram]

14. Gujaratis in Kerala 76-79

–Dilip K. Mehta

15. मोपला – विद्रोह और उसके परिणाम 80–84

–गणेशी लाल वर्मा

[4423, आर्यपुरा, दिल्ली-110007]

16. भोपाल इतिहास कांग्रेस में फिर उजागर हुआ मुस्लिम-वामपंथी-कांग्रेस अराष्ट्रवादी गठजोड़ 85–88

–राजेन्द्र चड्ढा

[7-ई, स्वामी रामतीर्थ नगर, दिल्ली-110055]

17. योजना के बढ़ते चरण 89–91

–राजेन्द्र कुशवाहा

[महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली-110055]

वर्ष 8 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) अप्रैल 2002

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganeshi Lal Verma**	1-2
2.	The Vikram and the Shak Era **–Rajendra Singh Kushwaha** *[D-228, Nirman Vihar, Delhi-110092]*	3-7
3.	The Importance of Dayanand Samvat **–Ganeshi Lal Verma** *[4423, Aryapur, Sabjimandi, Delhi-7]*	8-15
4.	Relevance of Dr. Hedgewar **–M. G. Vaidya** *[Keshav Kunj, Jhandewalan, New Delhi-110005]*	16-19
5.	Religious Policies of Tipu Sultan **–P.C.N. Raja** *[Late P.C.N. Raja was a member of the Zamorin Royal Family. This is the English translation from his Malayalam article]*	20-26
6.	The Harappanas Saraswati and Rgveda **–T. P. Verma** *[Jagannatham, 397-A, Ganga Pradushan Road, Bhagvan Pur, Varanasi-221005]*	27-34
7.	Social Reform Movements in Kerala **–K. Jayaprasad** *[Head, Deptt. of Political Science Sree Narayan College, Cherthala, Kerala]*	35-44
8.	Sanskrit Parampara of Kerala **–Nand Kumar**	45-47
9.	The Distinctive Character of Malainattuttiruppatikal **–Vanamala Parthasarathy**	48-63
50.	चाक्षुस मन्वन्तर में जल प्लावन के बाद वैवस्वत मन्वन्तर में मानव सृष्टि कैसे? कब? और कहाँ? **–राम सिंह शेखावत** *[498, महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इन्दौर-2]*	64-68

11. इतिहास–दृष्टि 69–80

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[जगन्नाथम, 397–ए, गंगा प्रदूषण रोड, भगवानपुर, वाराणसी–221005]

12. योजना के बढ़ते चरण 81–84

–राजेन्द्र कुशवाहा

[महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली–110055]

वर्ष 9 अंक 1 (विजयादशमी) अक्टूबर 2002

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Ganeshi Lal Verma**	1-2
2.	Sarada : The Forgotten Shrine of Jammu and Kashmir **–Purnima Kak** *[Research School, Department of History, University of Jammu]*	3-8
3.	Art Heritage of Jammu **–Yogita Kalgotra** *[Research Scholar, Depertment of History]*	9-12
4.	Manuscripts of Raghunath Temple Library of Jammu **–Champa Sharma** *[Head Post-Graduate Department of Dogri, University of Jammu]*	13-18
5.	Foreign Invasions on Jammu and the Resistance by the Dogra Rulers (With Special Reference to Timur Invasion) **–Anita Billawaria** *[Senior Fellow, Centre for History and Culture of Jammu and Ladakh Studies]*	19-26
6.	Relations Between the Khokhars of North West Frontier and the Rulers of Jammu **–Kiran Saproo** *[Ph.D. Research Scholar, Department of History, University of Jammu, Jammu]*	27-33
7.	Political Relations of Pal Rulers of Rajouri with the Rulers of Kashmir (958-1148 A.D.) **–Anjuman Ara** *[Fellow, Regional Centre for History and Culture of Jammu & Ladakh, Department of History, Univesity]*	34-37
8.	Political Awakening in Jammu Region From 1904-1953 **–Sandhya Dhar** *[Scholar, PG Department of History, University of Jammu]*	38-42
9.	Changing Eco-Political Scenario in Jammu and Kashmir and its Impact on Communal and inter-Regional Relations in the Early 20th Century **–Nirmal Singh** *[Reader in History, University of Jammu, Jammu]*	43-46

10. Ethnic Identities and Political Deadlock in Jammu and Kashmir 47-52

–Hari Om

[Professor, Dept. of History, University of Jammu, Jammu]

11. Crusade Against Untouchability in Jammu & Kashmir (1846-1947) 53-58

–Sunita Gupta

12. Basohli : Important Trade Centre of Medieval Period 59-62

–Rajeev S. Niryal

[Principal, N.J. Public School, Satwari, Jammu]

13. Valour and Military Exploits of General Zorawar Singh 63-77

–S.D.S Charak, Anita Billawaria

[Centre for History and Culture of Jammu and Ladakh Studies, Deptt. of History, University of Jammu, Jammu]

14. History of Dogri Language & Literature 78-86

–Veena Gupta

15. Kashmir in the Nilamatapurana 87-90

–Ved Kumari Ghai

[Ex-Professor & Head, Dept. of Sanskrit, University of Jammu, Jammu]

16. Lalitaditya Muktapida 724 -761 A.D. 91-94

–R.K. Braroo

[H.No. B-50, Jain Mandir Gali, Shakarpur, Delhi-110092]

17. Early Phase of Buddhism in Kashmir [Up to Kusana Period] 95-100

–Baidyanath Labh

[Reader, Dept. of Buddhist Studies, Jammu University, Jammu]

18. Survival of the Cultural Heritage of Kashmir 101-103

–S.P. Srivatsa

[Ex-Principal, Raghunath Sanskrit College, Jammu]

19. Origin and Development of Buddhist Art in Ladakh During 10th-11th Century 104-109

–Phuntsog Dorjay

[Research Scholar, Deptt. of History University of Jammu, Jammu]

20. महाराज श्री रणवीर सिंह के शासन काल में संस्कृत के अभ्युदय के लिए किये गये उपाय 110–117

–केदारनाथ शर्मा

[उपाचार्य, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू]

21. कठूआ एक ऐतिहासिक परिचय 118–122

–सुरेन्द्र गुप्ता

[सचिव, भारतीय इतिहास संकलन समिति, कठूआ जिला]

22. काश्मीर शैवदर्शन 123–124

–बलजिन्नाथ पण्डित

[मकान नं. 51, गली नं. 2, आदर्शनगर, बनतालाब, जम्मू]

23. योजना के बढ़ते चरण 125–128

–राजेन्द्र सिंह कुशवाहा

[महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली–110055]

वर्ष 9 अंक 2 (चैत्र प्रतिपदा) जुलाई 2003

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Rajendra Singh Khushwaha**	1-2
2.	Vedic Culture and its Continuity : New Paradigm and Dimensions **–Shivaji Singh** *[Shivala Nagar, Mahaddipur, Gorakhpur-273008 (U.P.)]*	3-20
3.	The Problems in Indian Historiography **–K.V. Ramkrishna Rao** *[25, Coldas Venkatachala Iyer street, West Mamabalam, Chennai-600033]*	21-37
4.	An Approaching way of Rectification of Distortions of Indian History **–S.K. Srivastava** *[Reader, Deptt. of History, Raja Singh College, Siwan (Bihar)]*	38-43
5.	Distortions in Indian History-Dealing with Core Issues **–K. Shanmugam** *[2/469, Kalamegam Street, Mugappair West, Chennai-600058]*	44-49
6.	Distored Text of Mahabharata **–M. R. Joshi**	50-53
7.	Leftist Lapses in the Writing of Indian History **–Nikhiles Guha** *[Deptt. of History, University of Kalyani, West Bengal]*	54-59
8.	Distortion of Facts in School Textbooks **–D. Visweswaram** *[6-20-6, East Point Colony, Visakhapatnam-530017, Ph : 0891-2784434, E-mail : visweswaram@rediffmail.com]*	60-64
9.	The Traditional Date of Ashoka Maurya :Archaeological Evidences:A Consideration **–A. Sundara** *[329, 'Saundaryashri' Bharati Nagara, Dharwad-580001]*	65-76
10.	Untold Facts of Ancient Indian History **–Aanjani Kumar Kakar** *[Head, Department of History, DAV College, Chandigarh]*	77-79
11.	Distortion of History by Theatre, Media and Tourism **–K.K. Khirsagar, S.V. Padalikar and A.M. Chankradeo** *[1294 Shukrawar Peth, 7th Lane Subhash Nagar, Pune-411002]*	80-81

12. Security Perspective of India's North East Frontier - A Case Study 82-86

–Bharat Kalita

[Guwahati, Assam]

13. NaagVansh -An Important Dyansty 87-88

–Sharwan Kumar

14. ईसाई मिशनरीज और ब्रिटिशों का हिन्दुओं के इतिहास-विकृत का षडयंत्र (बोडन ट्रस्ट, कारस्थानी मैकाले, चतुर मैक्समूलर) 89-91

–कृ.मा. घटाटे

[नागपुर]

15. भारत के इतिहास में विकृतियाँ क्यों, कैसे और क्या-क्या? 92-112

–रघुनन्दन प्रसाद शर्मा

[ए.सी.-10, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-110027]

16. राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इतिहास का पुन:लेखन और चारण साहित्य 113-118

–अंबादान रोहड़िया

[रीडर, गुजराती भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट]

17. रामायण काल का विकृतिकरण एवं वैज्ञानिक खोज द्वारा परिमार्जन 119-121

–उदय नारायण उपाध्याय

[पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, डी.ए.वी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ (लखनऊ विश्वविद्यालय)]

18. ऐतिहासिक ख्यातें – इतिहास लेखन का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत 122-125

–वसुमती शर्मा* एवं विक्रम सिंह अमरावत**

*[*शोध अधिकारी, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, **शोधार्थी, जयनारायण व्यास वि.वि. जोधपुर]*

19. योजना के बढ़ते चरण 126-128

–राजेन्द्र कुशवाहा

[अखिल भारतीय महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली-110055]

***

वर्ष 10 अंक 1-2 (विजयादशमी-चैत्र प्रतिपदा) 2003-04

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Rajendra Singh Kushwaha**	1-3
2.	Babasaheb - The Pioneering Pracharak **–H.V. Seshadri**	4-7
3.	Trilinga, Trikalinga, Kalinga, Odra &Utkala **–P. Acharya**	8-16
4.	Kalinga War **–H.C. Das**	17-21
5.	The Hathigumpha Inscription and the Kharvela the Great **–N.K. Sahu**	22-28
6.	The Kesari Dynasty of Orissa **–C.V. Vaidya**	29-32
7.	The Eastern Gangas of Trikalinga and Orissa **–C.V. Vaidya**	33-36
8.	Kalapahar in Orissa **–P. Mukherji**	37-39
9.	The Cult of Lord Jagannath **–Mayadhar Mansinha**	40-48
10.	Sri Jagannath in Sanskrit Literature **–G.K. Dash**	49-52
11.	New Light on the Khurda Paik-rising of 1817 **–Sudhakar Patnaik**	53-59
12.	Unique Harmony of Centrifugal and Centripetal Tendencies in Oriya Nationalism **–Narayan Rao** *[Ex-Registrar, Berhampur University]*	60-62
13.	Early Historic Urban Centres in the Tel River Valley : Orissa **–Baba Mishra** *[P.G. Deptt. of History, Govt., Autonomous College, Bhawanipatna, Distt.-Kalahandi (Orissa)]*	63-68

14. A Note on the Illustrated Manuscripts and Pat Paintings of Orissa 69-70

–M.P. Dash

15. The Orissi-A Classical Dance of Utkal 71-74

–Rajendra Singh Kushwaha

16. Maritime Activities of Orissa 75-84

–K.S. Behera

17. Maritime Activities of the Kalinga and the New Light Thrown by the Excavations at Khalkatapatna 85-89

–B.K. Sinha

18. Some Aspects of Cultural Life in Paralakhemundi Zamindari: A Study 90-98

–R.C. Misra* & S.K. Dash**

[Dr. R.C. Misra is Professor, P.G. Department of History, Berhampur University, Berhampur-760007 (Orissa); **Sri S.K. Dash is formely a Research Scholar in the same Department.]*

19. Marriage Practices in Tribal Orissa 99-103

–Braja Kishore Swain

[Professor of Dharmashastra, Sri Jagannath Sanskrit University, Sri Vihar, Puri]

20. Mahima Dharma : A Freedom Movement for Below in The 19th Century Orissa 104-108

–P.K. Pradhan

21. The Indian Origin of Weekdays 109-116

–T.P. Verma

[397A, Ganga Pradushan Control Road Bhagwanpur, Varanasi-221005]

22. हड़प्पा संस्कृति एवं वैदिक संस्कृति में अन्तरसंबंध 117–120

–प्रवेश कुमार श्रीवास्तव

[प्रवक्ता, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, टी.डी. (पी.जी.) कॉलेज, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)]

23. योजना के बढ़ते चरण : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना–एक परिचय 121–131

"नामूलं लिख्यते किंचित्"

–राजेन्द्र सिंह कुशवाहा

[बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली–110055]

24. श्रद्धांजलि – अविश्रांत पथिक 132–133

–पाञ्जन्य से साभार

25. स्वर्गीय परम पूज्य रज्जू भैया और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना 134-136
26. मोरोपंत : एक समर्पित जीवन 137-138
27. मा॰ मोरोपंत पिंगले जी के शब्दों में : इतिहास पुनर्लेखन के कार्य की दिशा 139-142

वर्ष 11 अंक 1 (विजयादशमी) 2005

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Rajendra Singh Khushwaha**	1-5
2.	A Note on Ayodhya's Excavation	6-8
3.	Vision of History **–Rabindra Nath Tagore** *[Translated from Bangali Read at Santiniketana Asrama Vaisakha 1309, Bengal Era (April 1903)]*	9-20
4.	Not Distortion but Correction **–R. Vasanta** *[Head of History Department, Krishnadevaray University, Anaantapur, Andhra]*	21-30
5.	The Old History Text Books of NCERT and the Scientific History? **–Meenakshi Jain**	31-35
6.	Why Perpetuate Myths? **–B.B. Lal** *[Director General (Retd.) Archaeological Durvey of India]*	36-43
7.	Saint Thomas - An Imaginary Icon **–C.I. Issac** *[Dr. C.I. Issac, Chavanickamannil, Vadavathoor, P.O. Kottayam, Kerala-686010]*	44-51
8.	The early Muslim Historians on India On Mahmud of Ghazni(A.D. 999-1030) **–T.P. Verma** *[369-A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]*	52-69
9.	Saraswati - Myth or Reality? The Study of Subterranean Water Channels (SWC) **–K. K. Subramaniam** *[2G, Deepa Apartments, 10, I.P. Extension, Delhi-110092]*	70-71
10.	पंजाब केसरी महाराज रणजीत सिंह जिन्होंने 1834 ई. में विग्रहराज चतुर्थ के 1164 ई. में किये गए आह्वान को पूरा किया। **–बलराज शर्मा** *[From the Asiatic Researches, vol. vii. p. 179-182. Calcutta 1801, 4 to pp. 232-237, *149/18A, चंडीगढ़–160018}*	72–79
11.	सुभाष चंद्र बोस के कुछ दुर्लभ पत्र	80–84

12. हड़प्पा एवं वैदिक संस्कृति में अंत्येष्टि एक तुलनात्मक अध्ययन 85–88

–प्रवेश कुमार श्रीवास्तव

[प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, टी.डी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)]

13. बालेर की पहाड़ी का सौमायतन 89–92

–शक्तिकुमार शर्मा 'शकुन्त'

[वरिष्ठ शोध अधिकारी, इंस्टिट्यूट ऑफ राजस्थान स्टडीज साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर]

14. भारत का पश्चिमोत्तर पर्वतीय क्षेत्र कश्यपपुर, द्विगर्त और त्रिगर्त (वर्तमान कश्मीर, जम्मू और कांगड़ा) ऐतिहासिक सीमाएँ और उनका महत्त्व 93–99

–शमी शर्मा

[ग्रा. डा. सेरायाना, कांगड़ा, पिन–176056, (हिमाचल प्रदेश)]

15. योजना के बढ़ते चरण 100–107

–राजेन्द्र कुशवाहा

[अखिल भारतीय महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली–110055]

16. श्री बाबा साहब आपटे जन्म शताब्दी समारोह 2003–2004 का वृत्त 108–111

–शरद हेबालकर

[महामंत्री, बाबा साहेब आपटे जन्म शताब्दी समारोह, नागपुर]

वर्ष 11, अंक 2, (चैत्र प्रतिपदा) मार्च 2006

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial **–Rajendra Singh Khuswa**	1-4
2.	Prof. Ganeshi Lal	5-7
3.	इतिहास पुरूष	8
4.	Pre- Brahmi Vedic Maheshwari Writing System **–L.S. Wakankar**	9-14
5.	Presence of Vedic Saraswati Signature in Adi Badari Area, District Yamuna Nagar, Haryana **–V.M.K Puri** *[Director (Retd.) Geological Survey of India (113, Kotwali Bazar, Dharamshala, District Kangara, H.P.-176215, Tel. 01892-222140)]*	15-17
6.	Alexander - Did he really win? **–P.N. Phadke** *[S-15- Bharatnagar, Nagpur-440001]*	18-19
7.	When Porus Defeated Alexander **–S.L. Bodhankar** *[ôShanti Dhamö, Mahal, Nagpur-2 Courtesy-ORGANISER, Veer Punjab Supplement, Dec. 04, 1994, P.8-11]*	20-23
8.	The Shahidulla Affair: British Policy towards Kashmir's claims across the Karakoram **–K. Warikoo**	24-29
9.	भारत के इतिहास का विनाश व विकृतिकरण एवं उसका निराकरण **–ठाकुर रामसिंह**	30–38
12.	विभाजन का मुख्य कारण **–ठाकुर रामसिंह**	46–48

वर्ष 12 अंक 1-2 (चैत्र प्रतिपदा-विजयादशमी) 2007

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Editorial Notes	4-11
2.	Presidential Address **–Shivaji Singh**	12-26
3.	The Real Nature of Indian Resistance and all the causes of Indian Defeat **–Ram Gopal Misra**	27-43
4.	Myth of Alexander 'the Great' **–Charu Mittal** *[Dept. of History, Bhagat Singh College, Delhi University, Delhi]*	44-51
5.	Alexander invaded India and was killed by the Dogra Warriors **–Prakash Chander Aggarwal**	52-54
6.	Book Reviews **–Vijay Mohan Kumar**	55-57
7.	तथाकथित विश्वविजेता सिकन्दर महान् का भारत पर आक्रमण एवं द्विगर्त (वर्तमान जम्मू) के चन्द्रभागा (चिनाब) क्षेत्र में डोगरा वीरों के हाथों मारा जाना **–ठाकुर रामसिंह**	58-64
8.	सिकन्दर महान का भारत अभियान और उसका परिणाम **–छेरिंग दोरजे (बुद्धालोजिस्ट)** *[ग्राम-बारीतूनी (खराहल), डा.घ. बारी-175101, जिला-कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) E-mail<tshering_dorje@hotmail.com>]*	65-69
9.	सिकन्दर अभियान की मुख्य स्त्रोत सामग्री और उसकी पराजय **–कृष्णानंद सागर** *[एफ-109, सेक्टर-27, नोएडा-201301]*	70-72
10.	तथाकथित विश्वविजेता सिकन्दर महान का भारत पर आक्रमण, पराजय एवं मृत्यु **–हेमेन्द्र राजपूत** *[137-वार्तालोक अपार्टमेंट, सेक्टर-44-सी, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश]*	73-79
11.	पाणिनीकालीन भारतवर्ष **–कल्पना गर्ग**	80-81
12.	तोड़ें इतिहास पर लगा वामपंथी ताला **–राकेश उपाध्याय एवं डॉ॰ केशव ममगई** *['पांचजन्य' हिन्दी साप्ताहिक, 3 दिसम्बर 2006 से साभार]*	82

13. प्रलेखन 83–88

ठाकुर जगदेव चंद स्मृति शोध सस्थान, नेरी, हमीरपुर,
हिमाचल प्रदेश में दिनांक 27, 28, 29 अक्टूबर 2006

अंक 13 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2008

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	भारतीय इतिहास लेखन के क्षेत्र में उपस्थित चुनौतियाँ और उनके समाधान की दिशा **–शिवाजी सिंह** *[शिवाला नगर, मोहद्दीपुर, गोरखपुर–273008, मो. : 09335449829, आवास : 0551–2200747]*	1–9
2.	पञ्चमहायज्ञ : विश्व सन्तुष्टि के प्रेरणास्त्रोत **–नीलकण्ठ पुरूषोत्तम जोशी** *[सी.के. 1/13, मोपला मन्दिर, पटनी टोला, वाराणसी]*	10–16
3.	Vedic Ṛshis :They Prayed Peace for All **–G.B. Deglurkar** *[901, Purushottam apptt. Off Bhandarkar Road Pune-411004 (India) Email:-deglurkar@vsnl.com]*	17-20
4.	वैदिक इक्ष्वाकुजन : अभिजन एवं ऐतिहासिक परम्परा **–ईश्वरशरण विश्वकर्मा** *[27–घ, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर–273009 (उत्तर प्रदेश)]*	21–26
5.	From Boghazkoi to Harappa **–T.P. Verma** *[397-A, Ganga Pradushan Control Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]*	27-37
6.	Searching Identity for *Prāgjyotishādhip* Naraka as reflected in the Mahabharata **–Kanak Chandra Sharma** *[Retd. D.C., Ganesh Mandir, Disgur, Kahilipara Path, Guwahati-781006 (Ph. 0361-2266760)]*	38-44
7.	Lingering Traditions of the Mahābhārata in some Relics of Medieval Assam **–Pradip Sarma** *[Director, Vivekananda Kendra, Institute of Culture, M.G. Road Uzanbazar, Riverside Guwahati-701001]*	45-47
8.	Daru Brahma **–Arun Kumar Upadhyay** *[B-9, CB-9, Cantonment Road, Cuttak-753001, Ph. 0671-2304172/2304433, Mob.-09437034172, e-mail: arun_ved@yahoo. co.in]*	48-54
9.	A Panorama of Jagannatha, the Par-Excellence **–P.K. Acharya** *[Reader in Sanskrit, Govt. Women's Autonomous College, Berhampur, Ganjam, Orissa]*	55-57

10. Origin Legend of Lord Jagannātha : A Critical Appreciation 60-67

–Baba Mishra

[P.G. Deptt. of History, Govt. Autonomous College, Bhawanipatna (CPE), Distt. Kalahandi (Orissa)]

11. उड़ीसा के प्राचीन मन्दिरों में निर्मित मूत्तियों के वस्त्र एवं आभूषण : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन 68–89

–सुधा सिंह

[अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, किसान पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बहराइच (उत्तर प्रदेश)]

12. They Claim Indians, Not Invaders : Yavanas, Saka-Pahlavas, Kushanas and Hunas 90-100

–T.P. Verma

[379-A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]

13. कालिदास का देश–काल : नये सन्दर्भ, नये विमर्श 101–105

–विमल चन्द शुक्ल

[61 डी/3डी/1 बी, ओमगायत्री नगर, इलाहाबाद, मो. 9415368184]

14. Vakataka Historiography as Seen in the Beginning of the Twenty-first Century 106-123

–Shankar Goyal

[Department of History, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Rajasthan)]

15. विक्रमादित्य, कालक एवं शकों का ऐतिहासिक सम्बन्ध 124–128

–अरूण प्रताप सिंह

[पार्श्वनाथ विद्यापीठ, आई.टी.आई. रोड, करौंदी, वाराणसी–221005, फोन : 0542–2575446, मो. 9415810767]

16. The Formative Stage of Mughal Painting 129-135

–Ashok Kumar Srivastava

[Professor, Department of History, University of Gorakhpur, Gorakhpur-273009 (U.P.)]

17. प्रथम स्वतंत्रता महासमर के पीछे ईसाईयत और साम्राज्यवाद 136–143

–सतीश चन्द्र मित्तल

[6/1277–ए, माधवनगर, सहारनपुर–247001 (उ.प्र.) मोबाइल – 09319480430]

Ramasetu Section

18. Geological and Geophysical Perspective of the Ramsetu 144-145

–S. Badrinarayanan

[Director (Retd.), Geological Survey of India, Formely, Co-ordinator, Survey

Division, National Institute of Ocean Technology, Minsitry of Earth Sciences, Pallikkaranai, Chennai] [Courtesy : Ramasetu, 2007 : ed. by Dr. S. Kalyanaraman]

19. Scientific Evidence for Ancient Human Activity in the Project Area 146

[Courtesy : Ramasetu, 2007 : ed. by Dr. S. Kalyanaraman]

20. Historical Perspective of Ramsetu 147-155

–S. Kalyanaraman

[Director, Sarasvati Research Centre, 3 Temple Avenue, Srinagar Colony, Chennai-600015]

21. रामसेतु मुद्दे पर कुप्प. सी. सुदर्शन जी, 'स्वाभिमानी बनें, अन्याय का प्रतिकार करें' 156–158

[विजयादशमी (वि. 2064) के अवसर पर रेशमबाग नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सरसंघचालक माननीय कुप्प.सी. सुदर्शन जी का उद्‌बोधन]

कार्य विवरण

1. राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का प्रतिवेदन 160–166

–ईश्वरशरण विश्वकर्मा (सहसचिव)

श्रद्धांजलि

1. अमरावती की बगिया के दो अम्लान पुष्प : एक भावाञ्जलि 167

माननीय मोरोपन्त पिंगले एवं श्रीरामसाठे जी

–हरिभाऊ वझे

2. डॉ. स्वराज्य प्रकाश गुप्त : एक जुझारू व्यक्तित्व (जन्म 11 नवम्बर 1932 : 167

निधन 3 अक्टूबर 2007)

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

3. डॉ. रवीन्द्रनाथ : एक कर्मठ व्यक्तित्व 170

(**जन्म** 01 अक्टूबर 1932, **निधन** : 08 अगस्त 2007)

–ईश्वरशरण विश्वकर्मा

4. सारस्वत साधना के पथिक प्रो. हरि अनंत फड़के 171

(**जन्म** 13 अक्टूबर 1932 : **निधन** 3 फरवरी 2007)

–ईश्वरशरण विश्वकर्मा

***

अंक 13 (2) (विजयादशमी) 2008

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Geo-archaeological Evidence of Disaster and Migration from Gulf of Combay **–S. Kathiroli*, D. Venkata Rao**, B. Sasisekaran***, Srinivasan Srinivasan****]** *[* Director, National Institute of Ocean Technology, Chennai; ** Scientist 'D', National Instituite of Ocean Technology, Chennai; *** Scientist 'D', National Institute of Ocean Technology, Chennai; **** Editor, Journal of South Indian Numismatic Society, Chennai]*	1-8
2.	वैदिककालीन प्राच्य भारत की भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन **–शक्तिधर झा** *[सेवानिवृत्त प्राचार्य (संस्कृत), लक्ष्मीसागर, दरभंगा- 846004, (बिहार), ललित नारायण मिश्र मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)]*	9–17
3.	भारतीय ऋषि परम्परा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य **–ईश्वरशरण विश्वकर्मा** *[27–घ, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर–237009]*	18–23
4.	असुर संस्कृति का अधिष्ठान सौरभूमि प्राग्ज्योतिषपुर : महाभारत के आलोक में **–विपुला दूबे** *[22–ग, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर–273009 (उत्तर–प्रदेश)]*	24–26
5.	महाभारत में वर्णित कुछ ज्योतिषीय घटनाओं का ऐतिहासिक विश्लेषण **–दामोदर झा** *[पूर्व अध्यक्ष, वि.वि.ब. संस्कृत संस्थान, गली नं. 7/24 गौतम नगर, होशियापुर–146071]*	27–28
6.	Geographical and Historical Boundaries of the North-East as Reflected in the Mahabharata **–Pratima Choudhury** *[Oak Land, Shilong]*	29-32
7.	मिथिला के महापुरूष : सांख्याचार्य कपिल **–शचीन्द्र कुमार ठाकुर** *[प्रोफेसर कॉलोनी, गली नं. 9, काशीपुर, समस्तीपुर- 848101 (बिहार)]*	33–35
8.	श्रमण परम्परा के उत्स का प्रश्न **–अरूण प्रताप सिंह** *[पार्श्वनाथ विद्यापीठ, आई.टी.आई. रोड, करौंदी, वाराणसी–221005]*	36–40

9. On Dating Āchārya Vishṇugupta Chāṇakya 41-50
–T.P. Verma
[397-A, Ganga Pradushan Control Road, Bhagwanpur, Varanasi]

10. मिथिला प्रान्त का संक्षिप्त इतिहास 51–55
–कमलकान्त झा
[शिक्षा निकेतन, सुभाष चौक, जपनगर, जिला–मधुबनी (बिहार)–847226]

11. Historicisation of Mythology 56-59
–S.D. Pandey
[(Ex Joint Secretary to Govt. of Bihar) Panchashakti Prakashan, Sudhanjali, Mithanpura, P.O. Ramana, Distt., Mujaffarpur-842002 (Bihar)]

12. मिथिला का पञ्जी प्रबन्ध 60–63
–कालिका दत्त झा
[अध्यक्ष,संस्कृत विभाग, ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालय, (दरभंगा), लक्ष्मी सागर, गैस गोदाम के पास, दरभंगा– 846004 (बिहार)]

13. Religious Beliefs and Practices among Buddhists in India as Recorded by Fa-hien and Heiun Tsang 64-66
–Amar Singh
[MM-260] Aliganj Sheme, Sector D, Lucknow-226006]

14. Identification of the Gahaḍavāla Fort Asnī 67-70
–D.P. Dubey
[4A/2, Muirabad, Allahabad-211002]

15. The Malayaketu Dynesty of Daradagaṇḍakī Deśa 71-87
–T.P. Verma
[397-A, Ganga Pradushan C. Road Bhagwanpur, Varanasi-221005]

16. Reflections on the Upheaval of 1857 in Rajasthan 88-99
–Shankar Goyal
[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

17. Oozing Kashmir : Nehru's Gift to India 100-126
–Makkhan Lal
[29 E/B, DESU Road, Mehrauli, Delhi]

18. Differentiated Man-Woman Socialization in India 127-131
–S.R. Goyal
[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011]

19. मार्क्सवादी चिन्तन तथा इतिहास का मुखौटा 132–140
–सतीश चन्द्र मित्तल
[6/1277–ए, माधव नगर, सहारनपुर–274001 (उत्तर प्रदेश)]

20. Development of Mughal Painting under Jahangir, Shahjahan, Aurangzeb and the Later Mughal Emperors 141-143

–Ashok Kumar Srivastava

[Professor & Head Deptt. of History, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur]

21. Seals and Sealings The Mahishadura-Mardini Seal from Harappa 144

–T.P. Verma

[397-A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]

22. A Clay Sealing of Vishṇopāsaka from Kauśāmbī 145

–Om Prakash Lal Srivastava

[Registering Officer, 347/4, Type-IV, Rajya Shiksha Sansthan Campus, Allenganj, Allahabad-211002 (U.P.)]

23. Book Reviews 146

–T.P. Verma

[397-A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]

24. कार्यवाही अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना 155–159

[वार्षिक साधारण-सभा की बैठक, दिनांक 9 एवं 10 अगस्त 2008, डबरा, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)]

अंक 14 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2009

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Kambojas (The Vedic People who Moved AlloverWorld) **–T.P. Verma** *[397-A, Ganga Pradushan c. Road, Bhagwan pm, Varanasi-221005]*	1-15
2.	The Saraswati (The Mother of Indian Civilization) **–B.B. Lal** *[F-7, Hauzkhas Enclave, (Chorminar), New Delhi]*	16-26
3.	Saraswati, Vedic Language and Cultural Traditions **–S. Kalyanaraman** *[S. Kalyanaraman, 3, Temple Avenue, Svinagar Colony, Chennai-600015]*	27-47
4.	विलुप्त सरस्वती नदी की जीवन गाथा **–देवेन्द्र सिंह चौहान** *[ए-30, गोल्फलिंक रोड, अरविन्द नगर, जोधपुर- 342001 (राजस्थान)]*	48-51
5.	The Nāyanārs and Ālvārs and Their Contribution to the Bhakti Movement in South India **–Shankar Goyal** *[41 A, Sadar Club Scheme, Jodhpur-342011]*	52-61
6.	Discovery of the Ratanpurwa Minor Rock Edict of Aśoka **–T.P. Verma** *[397-A, Bhagawanpur, Ganga Pradushan Control Marg, Varanasi-221005 (U.P.)]*	62-68
7.	The Chainpur Copperplate and the Muṇḍeśvarī Inscription **–T.P. Verma** *[397-A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005, U.P.]*	69-78
8.	The Jhansi Museum Copperplate Inscription of the Paramara King Bhojadeva, Samvat 1080 **–D.P. Dubey** *[4A/2, Muirabad, Allahabad-211002, Email. <dpdpdubey123@rediffmail.com>]*	79-83
9.	राजस्थान के पुराभिलेखों में वैदिक ऋषि परम्परा : एक ऐतिहासिक विश्लेषण **–ईश्वर शरण विश्वकर्मा** *[27-घ, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर-273009 (उत्तर प्रदेश)]*	84-87

10. जैन कला के कतिपय प्रतीकों एवं उपादानों का एक विवेचन (पुराभिलेखों के विशेष आलोक में) 88–92

–विपुला दुबे

[ग, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर–273009 (उत्तर प्रदेश)]

11. Sculptural Representation of Epic Themes in the Temple Art of Early Orissa 93-100

–R.C. Misro

[Professor, P.G. Department of History, Berhampur University, Berhampur-760007, Orissa]

12. Formation of the Social Values and Ideals in the Vedic Age 101-110

–S.R. Goyal

[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011]

13. The Tea-Tribe: An Epitome of Integrated Humanism (A Glimpse on Darrang District Segment) 111-113

–Nagendra Nath Sharma

[Head, Department of Political Science, Mangaldai College, Mangaldai, District-Darrang, Assam]

14. Ghosho : Eternal Teachings of Nichiren Daishonin (A Shared Heritage : Indian and Japan) 114-117

–Poonam Pant

[Professor, Department of History, D.D.U, Gorakhpur University, Gorakhpur-273009 (U.P.)]

15. पंचमढी की ऐतिहासिकता एवं कोरकू जनजाति 188–124

–रेखा राठौर

[सहायक प्राध्यापक, इतिहास, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिपरिया, जिला–होशंगाबाद (मध्य- प्रदेश)]

16. पूर्वोत्तर अवध में स्वतंत्रता संग्राम 125–129

–विजयपाल सिंह

[भिरिया भवन, कजाकपुर, नई कॉलोनी, गोरखपुर]

17. आधुनिक इतिहास लेखन की प्रवृत्तियाँ (भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के सन्दर्भ में) 130–139

–सतीश चन्द्र मित्तल

[6/1277–ए, माधव नगर, सहारनपुर–247001 (उत्तर प्रदेश)]

18. INDEX to Itihas Darpan 140-157

–Balmukund Pandey

अंक 14 (2) (विजयादशमी) 2009

क्र. शीर्षक **पृ.संख्या**

श्रद्धांजलि : स्मृतिशेष डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान

–जानकी शरण श्रीमाली

1. Contending Paradigms of Indian History : Did India Lack Historical Agency ? 1-11

–Shivaji Singh

[Shivala Nagar, Mohaddipur, Gorakhpur-273001]

2. ऋग्वेदीय एवं यजुर्वेदीय शाखाएँ 12–24

–कृष्ण चन्द्र झा

[रामधनी भवन, नं. 4, इम्बरगली, सैदपुर, पटना-4]

3. वैदिक-जनों का यूरोप एवं पश्चिम एशिया में विसंक्रमण 25–42

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[397 अ, गंगा प्रदूषण नियंत्रण मार्ग भगवानपुर, वाराणसी-5; प्रो. ठाकुर प्रसाद वर्मा, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं अवकाश प्राप्त आचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी हैं।]

4. जैन इक्ष्वाकु परम्परा 43–48

–ईश्वर शरण विश्वकर्मा

[27-घ, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर-273009 (उत्तर प्रदेश)]

5. Origins of State and Cities in South Asia 49-62

–Makkhan Lal

[29 E/B, Ward N. 1 DESU Road, Mehrauli, New Delhi-110030; Professor Makkhan Lal is Founder Director Delhi Institute of Heritage Research & Management, New Delhi]

6. ऋग्वैदिक नदी 'सरस्वती': एक पुरातात्विक विवेचन 63–66

–अजय प्रताप वर्मा

[ए, 1.65-सी, 36, शारदा मार्बल, शिवपुरी कॉलोनी, सामने घाट रोड, नगवा, लंका, वाराणसी-221005; डॉ. अजय वर्मा सम्प्रति श्रीमती नीलम देवी महाविद्यालय, बैरिया (बलिया) में प्राचीन इतिहास विभाग में प्रवक्ता हैं।]

7. Was Gautam Buddha a Social Revolutionary? 67-78

–S. R. Goyal

[41 A. Sardar Club Schome, Jodhpur-342001; Professor S.R. Goyal is a retired Professor and ex-Head, Department of History, Jai Narain Vyas University, Jodhpur]

8. भारत कला भवन के गुप्त कालीन स्तम्भों के अध्ययन 79–83

–अनिल कुमार सिंह

[हैदराबाद कॉलोनी बी.एच.यू. परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005; डॉ. अनिल कुमार सिंह भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में असिस्टेन्ट क्यूरेटर हैं।]

9. भारत में प्राचीन संचार प्रक्रियाओं के विविध सन्दर्भ 84–89

–लोकनाथ

[63, माधव मार्केट, लंका, वाराणसी–221005 (उत्तर प्रदेश); श्री लोकनाथ पत्रकार हैं।]

10. Ancient Indian Education System that was uprooted by the British 90-104

–Sima Yadav

[39 EIB, Ward No. 1, DESU Road, Mahrauli, New Delhi-110030; Dr. Sima Yadav is Reader, Delhi Institute of Heritage Research and Mangement, New Delhi]

11. सतत संघर्ष एवं प्रतीकार की दीर्घ परम्परा (1336 ई. तक) 105–113

–सतीश चन्द्र मित्तल

[26/127–ए, माधवनगर, सहारनपुर–247001; प्रोफेसर सतीश चन्द्र मित्तल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं।]

* पुस्तक समीक्षा 114–116

अंक 15 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2010

क्र. शीर्षक **पृ.संख्या**

श्रद्धांजलि : श्री मिथिलेश चन्द्र श्रीवास्तव

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

1. पुरुषसूक्त : वैज्ञानिक संदर्भ 1–9

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[397, गंगा प्रदूषण नि. मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी- 221005]

2. इतिहासपुराण के आदि प्रवर्तक : अथर्वांगिरस 10–12

–दिवाकर प्रसाद तिवारी

[द्वारा - सिद्धिविनायक विकास वस्त्रालय, रघुनाथ कटरा, हनुमान मंदिर चौराहा, देवरिया-274001]

3. राष्ट्रस्य चक्षु : इतिहासोऽयं 13–19

–गुंजन अग्रवाल

[साहित्य भारती प्रकाशन, गोपी कृष्ण पैलेस, भिखना पहाड़ी, पटना-800004]

4. Kṛishṇa Legends Across Asia 20-22

–Pragya Chaturvedi

[Senior Lecturer, Department of Ancient History, Archaeology and Culture, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur]

5. Tokharians : The First Indo- Europeans 23-40

–A.K. Narain

[Usha-Kanta, Nand Nagar Colony, Varanasi-221005]

6. A Discussion on some issues related to NBP Ware 41-49

–Ravindra Kumar

[29 E/B, Ward No. 1, DESU Road, Mehrauli, New Delhi-110030]

7. जेतवन विहार के कथात्मक दृश्य का शिल्पांकन 50–55

–अनिल कुमार सिंह

[असिस्टेन्ट क्यूरेटर, भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005]

8. बौद्ध संघाट प्रतिमाएँ 56–61

–रेखा चतुर्वेदी

[उपाचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)]

9. Coinage of Kalinga 62-65

–Gorakh Nath

[Deptt. of Ancient History, Archaology & Culture, D.D.U., Gorakhpur University, Gorakhpur-273007, (U.P.)]

10. Feudal Elements in the Vakataka Economy 66-81

–Shankar Goyal

[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011]

11. दरदगण्डकीदेश का भूगर्भिक इतिहास 82–86

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[397–अ, गंगा प्रदूषण नियन्त्रण मार्ग भगवानपुर, वाराणसी–221005]

12. नरवर का यज्वपाल राजवंश – एक अभिलेखीय अध्ययन 87–91

–यशवन्त सिंह

[प्रवक्ता (संविदा), इतिहास, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, एन.टी.पी.सी. परिसर, शक्तिनगर, सोनभद्र (उत्तर प्रदेश), मो. 9451594848; एल–5, तुलसीदास कॉलोनी बी.एच.यू. डॉ. सुजाता मो. 9838182140]

13. Protest Movements in Indian History:Some Theoretical and General Considerations 92-97

–S.R Goyal

[41-A Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

14. गोंडों की सामाजिक स्थिति: होशंगाबाद जिले के संदर्भ में 98–103

–रेखा राठौर

[सहायक प्राध्यापक, इतिहास, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिपरिया–मध्य प्रदेश]

15. श्री जसवन्त सिंह द्वारा जिन्ना को विभाजन की विभीषिका से बरी करने का निरर्थक प्रयास 104–117

–मक्खनलाल

[29 E/B, Ward No. 1., DESU Road, Mehrauli, New Delhi-110030]

16. पुस्तक समीक्षा 118–119

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

अंक 15 (2) (विजयादशमी) 2010

क्र. शीर्षक **पृ.संख्या**

श्रद्धांजलि - माननीय ठाकुर राम सिंहजी

–बालमुकुन्द पाण्डेय

[सह-संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना]

श्रद्धांजलि - माननीय ठाकुर राम सिंहजी

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

1. अष्ट विकृति विमर्श 1–6

–धीरेन्द्र झा

[प्रेम कुंज विंध्यवासिनी पथ, कदमकुआँ, पटना- 800003 (बिहार), मो. 09939467860]

2. पौराणिक साहित्य का ऐतिहासिक विकास 7–10

–मीनालाल

[प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी]

3. Role of Surplus Food Production for the Beginning of Urbanization in mid-Ganga Plain 11-14

–Naina Pandey

[Dr. Naina Pandey , D. 44/201, Ramapura, Varanasi-221010 (U.P.)]

4. Methodologies for Determing the Dates of Ancient Indian Works and the Term Mahamatra as an Indicator of Literary Chronology 15-26

–S.R. Goyal

[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

5. मध्यएसिया एवं भारत : ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक सम्बन्धों की गाथा 27–41

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[397-अ, गंगा प्रदूषण नियंत्रण मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी-221005]

6. प्रागैस्लामी अरब में हिन्दू संस्कृति 42–68

–गुंजन अग्रवाल

[सम्पर्क (द्वारा), मेसर्स साहित्य भारती प्रकाशन, गोपी-कृष्ण पैलेस, भिखना पहाड़ी, पटना-800004 (बिहार), सचलभाष : 09334518851]

7. परवर्ती प्रतिहार शासक एवं उनके अभिलेख 69–81

–अरविन्द कुमार सिंह

[जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर]

8. Myth of Feudalism in the Gahadavala Period 82-87

–Ashish Kumar Dubey

[C/o. Dr. D.P. Dubey, 47A/211, Muirabad, Allahabad-221002, Dr. A.K. Dubey is lecturer in Ancient Indian History & Archaeology in the University of Lucknow]

9. Buddhism in Samatata Region (Bangladesh) : Past and Present 88-102

–G.K. Lama

[Asst. Prof. Deptt. of AIHC & Archaeology, BHU, Varanasi]

10. Nienteenth Century Scholars on Rāmopākhyāna 103-106

–Meghna Goyal

[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342001, Rajasthan]

11. ब्रिटिश इवेनजिलिकल इतिहासकार 107–113

–सतीश चन्द्र मित्तल

12. भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में मुद्रण-उद्योग की भूमिका 114–122

–विपुल शंकर पण्ड्या

[बी-21/42 ए, कमच्छा, वाराणसी-221010]

अंक 16 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2011

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Vedic Śākhās -Meaning and Importance **–Ganga Sagar Rai** *[Residence : Ganeshpuri, Nasirpuri, Susuvahi, Varanasi. Office: Purāṇa Deptt., All India Kashiraj Trust Fort Ramnagar, Varanasi]*	1-5
2.	ज्योतिष विद्या तथा होरा शास्त्रीय फलकथन की पृष्ठभूमि **–रत्नाकर पाण्डेय** *[निदेशक : कात्यायिनी ज्योतिष शोध संस्थान, बलुआ घाट, रामनगर, वाराणसी-221008, आवासीय पता : 1/63 गोलाघाट, रामनगर, वाराणसी, पिनकोड-221008]*	6-20
3.	सेतु समद्रुम-नल सेतु सुदुष्करः **–राजीव रंजन उपाध्याय** *[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर शोध तबरीज विश्वविद्यालय, तबरीज, ईरान, 'विज्ञान' परिसर कोठी काके, बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001]*	21-27
4.	The Problem of Orality and Literacy in the Vedic and Early Buddhist Society **–S.R. Goyal** *[Professor and Head (Retd.) Department of History, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Rajasthan) Residential Address : 41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]*	28-43
5.	सारनाथ की गुप्तकालीन कला में बुद्ध के जीवन दृश्य का अंकन **–अनिल कुमार सिंह** *[भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, लेखक ने प्रस्तुत शोधपत्र पुरातत्व संग्रहालय, सारनाथ, वाराणसी द्वारा 06-07 मार्च-2010 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया था।]*	44-51
6.	Dikpāla Images at Khajuraho **–Pragya Chaturvedi** *[Sr. Lecturer, Department of Ancient History, Archaeoloyg & Culture, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur-273009]*	52-56
7.	Syncretization of Meitei and Hindu Sculptures in Manipur **–L. Kunjeswori Devi** *[C/p, Nameirakpam Ibomcha Singh, Soibam Leikai, Khanglalrung Leirak, Imphal-795001 (East Manipur)]*	57-62

8. Mau Sahaniyā Copperplate Inscription of Hammiravarmmadeva, Samvat 1347 63-5

–D.P. Dubey & Ashish K. Dubey

[4A/2/1, Muirabad, Allahabad-211002]

9. भारत विभाजन 66–73

–बालमुकुन्द पाण्डेय

[आपटे भवन, केशवकुंज, झण्डेवाला, नई दिल्ली]

10. अयोध्या अभिनिर्णय और कलह के दोषी 74–81

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[397अ, गंगा प्रदूषण नि. मार्ग भगवानपुर, वाराणसी– 221005]

11. War of Independence of 1857 and Veer Bhagoji Naik 82-84

–Saral Dharankar

[B-104, Ram-Janaki Sankul, Chaitanya Nagar, Gangapur Road, Nashik-422013 (Maharashtra)]

12. पर्वतों की रानी पचमढ़ी का ऐतिहासिक विश्लेषण 85–89

–रेखा राठौर

[सहायक प्राध्यापक, शासकीय, पी.जी. महाविद्यालय, पिपरिया, जिला होशंगाबाद (म.प्र.)]

13. ब्रज की लोक संस्कृति में तुलसी विवाह 92–94

–रेखा चतुर्वेदी

[19क, हीरापुरी कॉलोनी, सिविल लाइन्स, गोरखपुर]

14. तानसेन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व – एक मूल्यांकन 95–98

–आनन्द मिश्र

[प्राध्यापक, इतिहास विभाग एवं कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर]

15. Sir William Jones : A Study in Intentions 99-199

–T.P. Verma

[397-A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]

16. Book Reviews 120-127

***

अंक 16 (2) (विजयादशमी) 2011

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	वैदिक कालीन शिक्षा-संस्था: चरण : एक अनुशीलन **–धीरेन्द्र झा** *[भारती शिक्षा समिति, प्रेमकुञ्ज विंध्यवासिनी पथ, कदमकुआँ, पटना-800003 (बिहार), दूरभाष- 09939467860]*	129-133
2.	'ईरान और भारत की सूर्य-पूजा परम्परा : मग पुरोहितों का विशिष्ट सन्दर्भ' **–चन्द्रदेव पाण्डेय** *[एसोशियेट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद]*	134-138
3.	भारतीय इतिहास का परम्परागत कालक्रम **–गुंजन अग्रवाल** *['पटना परिक्रमा'* (पटना बिजनेस डायरेक्टरी); प्रबन्ध- संपादक, *'पगडंडी'* (हिन्दी-त्रैमासिक, जमुई); सह- सचिव, भारतीय-इतिहास-संकलन समिति, दक्षिण बिहार; सम्पर्क : मेसर्स साहित्य भारतीय प्रकाशन, गोपी-कृष्ण पैलेस, भिखना पहाड़ी, पटना-800004, सचलभाष: 09334518851; अणु-डाक : *gunjanaggrawal@gmail.com;* varjrkuk : *kwww.patnaparikrama.com]*	139-162
4.	The Ethno-linguistic Identity of Celts : The Vedic People **–T.P. Verma** *[397-A, Ganga Radushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]*	163-178
5.	Interpreting the Sarasvati *Tirthayatra* of Shri Balarāma **–Martin J. Haigh** *[Dept. of Anthropology & Geography, School of Social Sciences and Law (SSL), Gipsy Lane Campus, Headington, Oxford Brookes University, Oxford, OX3 OBP, England, U.K., Phone: (+044)-1865-483785, Email : mhaigh@brookes.ac.uk]*	179-193
6.	Administration and Administrative Terms used in the Arthaśāstra : Some Observations **–S.R. Goyal** *[Professor and Head (Retd.) Department of History, Jai Narain Vyas University Jodhpur (Rajasthan), Residential Address : 41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]*	194-199
7.	The Stupa of Nāgārjunakoṇḍa : an extension of Amarāvatī School **–Jyoti Rohilla Rana** *[Assistant Professor, Dept. of History of Art, Faculty of Arts, Banaras Hindu University, Varanasi-221005 (Uttar Pradesh); Email : drjyotibhu@gmail.com]*	200-210

8. प्राचीन भारत में समुद्र व्यापार : जैन आगम नायाधम्मकहाओ से 211–213

–के. छगन लाल बोहरा

[ए–55, बोहरा निकेत, बोहरा गणेश मार्ग, उदयपुर– 313001 (राजस्थान)]

9. Chronology of Urbanization in Ancient India 214-220

–Baba Mishra

[Reader in History Govt. Autonomous College Bhawanipatna - 766001, Dist-Kalahandi [Orissa], e-mail: baba_bhpatna@yahoo.co.in]

10. A Comparative Study of Kautilya and Machiavelli 221-226

–Shankar Goayal

[Professor, Department of History, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Rajasthan), Residential Address : 41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

11. Interfaces between Hindu Cosmology and Leonardo da Vinci 227-242

–Rana P.B. Singh

[Professor of Cultural Geography, Banaras Hindu University, #New F-7 Jodhpur Colony, B.H.U. Campus, Varanasi-221005 (Utter Pradesh); Cell: (+091)-9838119474, Email: ranapbs@gmail.com]

12. Buddhism in Europe and United States of America : An Observation 243-253

–G.K. Lama

[Assistant Professor, Dept. of Ancient Indian Hsitory, Culture and Archaeology, Banaras Hindu University, Varanasi]

13. रत्नपाल–कालीन ग्वालियर के दो खण्डित पाषाण अभिलेख 254–258

–अरविन्द कुमार सिंह

[प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर]

14. Two Copper-Plate Inscriptions from Jhansi Museum 259-261

–D.P. Dubey

[Department of Ancient History, Culture & Archaeology, Allahabad University, Allahabad]

15. 1857 का स्वतंत्रता संग्राम एवं दिल्ली का बादशाह 262–265

–आनन्द मिश्र

[प्राध्यापक, इतिहास विभाग, कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)]

16. (Mis) Interpretation of Indian National Movement by the British and Marxit Historians 266-278

–S.C. Mittal

[Professor (Retd.), Deptt. of History, Kurukshetra University, Kurukshetra, Residence : 6/1277-A, Madhava Nagar, Sharanpur-247001 (U.P.), India]

अंक 17 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2012

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	वेद विद्या विमर्श **–धीरेन्द्र झा** *[क्षेत्रीय संस्कृत प्रमुख, भारती शिक्षा समिति, प्रेमकुंज, विंध्यवासिनी पथ, कदमकुआँ, पटना-800003 (बिहार), दूरवाणी-09939467860]*	1–3
2.	ऋग्वैदिक ग्रह-नक्षत्रों से संबद्ध कुछ तथ्य एवं मिथक **–राजीव रंजन उपाध्याय** *[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर शोध, तबरीज विश्वविद्यालय तबरीज, ईरान, 'विज्ञान' परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001]*	4–9
3.	विश्व इतिहास में कुरूवंश **–ठाकुर प्रसाद वर्मा** *[397अ, गंगा प्रदूषण नियंत्रण मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी-221005]*	10–23
4.	Kāśirāja Pratardana Daivodāsī and the Ṛgvedic Pratardana son of Divodāsa **–Arun Kumar** *[71-Vimal Enclave, chamaruli, in front of T.V. Tower, Shamsabad Road, Agra-282001] U.P.]*	24-30
5.	प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में लोक एवं नागर संस्कृति **–जय प्रकाश पाठक** *[क्यूरेटर एवं सहायक सम्पादक : दुर्ग, रामनगर, वाराणसी-221008]*	31–33
6.	तीर्थों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (सरस्वती नदी के विशेष सन्दर्भ में) **–रत्नेश कुमार त्रिपाठी** *[आपटे भवन, केशवकुंज, झण्डेवालान, नई दिल्ली-110055, चलभाष : 09210312911, email : ratnehgkp@gmail.com]*	34–35
7.	Mandākinī : The Endangered River of Bundelkhand **–Vandana Dubey** *[Reader, Deptt. of Geography, University of Allahabad]*	46-57
8.	Khirsara : An Important Harappan Post in Western Kachchh **–Jitendra Nath** *[Superintending Archaeologist, Archaeo-logical Survey of India, Excavation Branch û V, 3rd Floor, VUDA Bhavan, Karelibaug, Vadodara - 390018]*	58-69

9. Lalitpur Copper-Plate Grant of Hammīravarma-deva, Saṁvat 1352 70-74

–D.P. Dubey* & Neelima Mishra**

[Deptt. of A.H.C. & Archaeology, University of Allahabad, Allahabad; **Research Scholar in History U.P.R.T.O. University, Allahabad]*

10. रखेतरा की शैलोत्कीर्ण मूर्तिकला एवं अभिलेख 75–82

–अरविन्द कुमार सिंह

[प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश]

11. भारत कला भवन, वाराणसी की स्वतन्त्र सप्तमातृका मूर्तियाँ 83–87

–अनिल कुमार सिंह

[असिस्टेन्ट क्यूरेटर, भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005]

12. Dating of Coins - A Paleographical Approach 88-91

–Suman Jain

[Associate Professor. Dept. of AIHC & Arch. B.H.U., Varanasi]

13. शक–सातवाहन अभिलेखों में प्रतिबिम्बित धार्मिक विचार 92–95

–प्रज्ञा चतुर्वेदी

[वरिष्ठ प्रवक्ता, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर]

14. बौद्ध धर्म एवं पर्यावरण: अशोक के अभिलेखों में 96–99

–प्रज्ञा मिश्रा

[रीडर, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, राजा मोहन गर्ल्स पी.जी. कालेज, फैजाबाद–224001, फोन नं. 9450922725]

15. भाषा और जन–संचरण 100–109

–नित्यानन्द श्रीवास्तव

[हिन्दी विभाग, सी.जी.एन. (पी.जी.) कॉलेज गोला गोकर्णनाथ–खीरी, पिन–262802, दूरभाष– 09452847328]

16. वैश्वीकरण और इतिहास लेखन की नव राष्ट्रवादी दृष्टि – एक विश्लेषण 110–115

–हर्षवर्धन सिंह

[प्रान्त संगठन मंत्री, इतिहास संकलन योजना, मालव प्रान्त, मो. 9407528546, आराधना, संघ कार्यालय, सरदारपुरा, देवास गेट, उज्जैन, म.प्र.]

17 Caste System as Reflected in the Works of Bāṇa and Yuan Chwang 116-130

–Shankar Goyal

[41A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

18. Environmental Changes and Human Cultural Adaptation in Ancient India 131-138

–G.K. Lama

[Asst. Prof., Dept. of AIHC & Archaeology, BHU.]

19. 1857 में महिलाओं की भूमिकाओं वाले राष्ट्रवादी लोकगीत 139–141

–बी. के. श्रीवास्तव

[वरिष्ठ व्याख्याता, इतिहास विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)]

20. श्योपुर जिले की लोक संस्कृति लोककला के संदर्भ में 142–146

–पूनम पाराशर

[अतिथि विद्वान, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना (मध्यप्रदेश), चलभाष : 09425132287, email : poonampareek_9@gmail.com]

21. मेले की एक परम्परा "गोटमार" 147–150

–श्रीमती रेखारानी राठौर

[सहायक प्राध्यापक (इतिहास) शासकीय महाविद्यालय साँसर, जिला-छिंदवाड़ा (म.प्र.) मो. 9993518369]

22. Sources of Mughal Handicrafts 151-157

–Ashok Kumar Srivastava* & Shubhi Srivastava**

*[*Professor, Department of History, Deendayal Upadhayay Gorkhpur University Gorkhpur (U.P.) India, Mobile : 9792319094 **Department of History, Deendayal Upadhayay Gorakhpur University, Gorkhpur (U.P.) India, Mobile : 0983913 6306]*

23. Book Review 158-159

–Subrata Kumar Acharya

[Ravenshaw University, Cuttak, 751003, Mob. 09861004006, email : mama_ska@ yaoo.co.in]

अंक 17 (2) (विजयादशमी) 2012

क्र. शीर्षक **पृ.संख्या**

* श्रद्धांजलि : स्व. डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशवाहा

–बालमुकुन्द पाण्डेय

[राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नयी दिल्ली]

* श्रद्धांजलि : महान इतिहास साधक : डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशवाहा

–सतीश चन्द्र मित्तल

[कार्यकारी अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली]

* श्रद्धांजलि : शोक संदेश

–देवी प्रसाद सिंह

[उपाध्यक्ष : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली]

* श्रद्धांजलि : स्व. डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशवाहा–एक जागृत व्यक्तित्व

–विजय शंकर सिंह

[महन्थधाम, 4 नाथू सिंह मार्ग, कैण्टूनमेंट, वाराणसी]

* स्मृतिशेष डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशवाहा–एक विलक्षण महापुरुष

–रणजीत सिंह

[अध्यक्ष, भारतीय इतिहास संकलन समिति, काशी प्रान्त]

* श्रद्धांजलि : डॉ. सर्व भावेन राष्ट्र समर्पित डॉ. कुशवाहा जी

–चक्रवर्ती नारायण श्रीमाली

[व्याख्याता, ई.सी.बी. कॉलेज, बीकानेर]

* श्रद्धांजलि : डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशवाहा

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली]

1. वैदिक शैक्षिक संस्कार विमर्श 161–163

–धीरेन्द्र झा

[क्षेत्रीय संस्कृत प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति, प्रेमकुंज, विंध्यवासिनी पथ, कदमकुआँ, पटना–800003 (बिहार), दूरवाणी–09939467860]

2. On the Probable Period of Bhujyu's Shipwreck and Rescue 164-169

–Arun Kumar

[71-Vimal Enclave, Chamarauli, in fornt of TV Tower, Shamshabad Road, Agra-282001, U.P.]

3. वैदिक जनों के सम्भावित आदिवास स्थल 170–176

–राजीव रंजन उपाध्याय

[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज, ईरान, 'विज्ञान' परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद–224001 (उ.प्र.)]

4. Geography of Soma : The Cradle of Human Civilization 177-194

–T.P. Verma

[397/A, Ganga Pradushan C. Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005]

5. Individual Renouncer in the Vedic Age : the nature of his potest and dissent against Vedic Orthodoxy 195-201

–S.R. Goyal

[Professor and Head (Retd.) Department of History] Jai Narayan Vyas University, Jodhpur (Rajasthan); Residential Adress : 41-A, Sardar Club Scheme Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

6. खगोलीय एवं भूगर्भिक संदर्भ और पुराकथाएँ 202–207

–रत्नाकर पाण्डेय

[आचार्य रत्नाकर पाण्डेय, निदेशक, कात्यायिनी ज्योतिष शोध संस्थान, कार्यालय–बलुआघाट, रामनगर, वाराणसी (221008)]

7. Technological advancement in Indus Valley: An attempt to Correct Eurocenctricbias 208-234

–G.K. Lama

[Asst. Prof., Dept. of AIHC & Archaeology, BHU, Varanasi.]

8. Inscribed materials from Khirsara, Dist. Kachchh, Gujarat 235-242

–Jitendra Nath* & R.N. Kumaran**

*[*Superintending Archaeologist, Archaeo-logical Survey of India, Excavation Branch V, Vadodara. **Assistant Archaeologist, A.S.I., Excavation Branch V, Vadodara.]*

9. Travel-Route of Buddha from the Bodhgaya to the Saratth: the Comparative study of newly explored and discovered archaeological sites and ancient literatures 243-253

–D.N. Sinha*, Shankar Sharama, Sachin, Kr. Tiwary****

*[*Deputy Superintending Archaeologist, Archaeological survey of India, Patna Circle, Patna, Bihar, email : dnsinha.asi@gmail.com; **Assistant Archaeologist, Archealological Survey of India, Patna Circle, Bihar, email : shanker.sharama74@gmail.com; ***Assistant Archaeologist, Archaeological Survey of India, Patna Circle, Patna, Bihar]*

10. Memorials Pillars of Bangla and their Inscriptions 254-280

–Arvind K. Singh

[Professor, Ancient History, Jiwaji University, Gwalior, M.P.]

11. मध्य भारत के जनजातीय कला में वर्णनात्मक तत्व 281–285

–शिवशंकर

[यू.जी.सी. शोधछात्र, कला इतिहास विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, email : shankarshiv87@gmail.com, Mob. No. 09335233931]

12. भारतीय मूर्तिकला में जीवंत संस्कृति–विविध युगों के केश विन्यास 286–296

–शिल्पी गुप्ता

[असिस्टेन्ट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान–304022]

13. Some Observations on threatened Jain relics of Telkupi, District Puruliya, West Bengal 297-313

–Shubha Majumdar

[C/o Satya Ranjan Majumdar, Kukherji Para Road, Barasal P.O. Barasal, Distt. North 24 Parganas, Kolkatta-700124, shubha.arcaeology@gmail.com]

14. Pre-Modern Society of Kashmir 314-319

–S.K. Trivedi* & JawahirAbass Bhatt**

*[*Principal, 109/31, Shivaji Nagar, Bhopal, M.P.; **Shalipora, P/O Katrasoo, Tahsil & District Kulgam, Jammu & Kashmir, India, Pin.192232]*

15. Book Review 320-322

–P.K. Agrawala

अंक 18 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2013

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	स्वामी विवेकानन्द को आदराञ्जलि	3–6
	–माधवराव सदाशिवराव गोळवळकर (श्रीगुरूजी)	
	श्रद्धा सुमनः डॉ॰ शिकारीपुरा रंगनाथ राव	7–8
	(डॉ॰ एस॰आर॰राव)	
	–बालमुकुन्द पाण्डेय	
	[राष्ट्रीय संगठन-सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली]	
1.	निगमागम-विमर्श	9–11
	–डॉ॰ धीरेन्द्र झा	
	[क्षेत्रीय संस्कृत-विभाग प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति, 'प्रेमकुञ्ज', विंध्यवासिनी पथ, कदमकुआँ, पटना- 800003 (बिहार), चलभाष : 09939467860]	
2.	Vedic Roots of Hinduism and Hellenism	12-39
	–D.N. Tripathi	
	['Leela Nilayam', 99-A, Indira Nagar, Gorakhpur-273009, U.P.]	
3.	Writing in the Vedic age, Harappan and Asokan writing	40-59
	–T.P. Verma	
	[397-A, Ganga Pradushan Niyantran Marg, Bhagwanpur, Varanasi-221005; e-mails: tpverma2003@yahoo.com, thakurpverma @gmail.com]	
4.	Śramaṇism as Dissent and Protest against Brāhmaṇical Orthodoxy	60-66
	–S.R. Goyal	
	[Professor and Head (Retd.), Department of History, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Rajasthan); Residence : 41-A, Sardar Club Scheme Jodhpur-342001 (Rajasthan)]	
5.	Megalithic Culture : A prelude to the subsequent economic growth in peninsular India and the Deccan	67-76
	–G.K. Lama	
	[Asst. Professor, Deptt. of A.I.H.C. & Archaeology, Banaras Hindu University. Varanasi]	
6.	कुशद्वीप एवं मिस्त्र का वैदिक अतीत	77–89
	–राजीव रंजन उपाध्याय	
	[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर-शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज, ईरान; संपादक-'विज्ञान-कथा', आवास : 'विज्ञान', परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001 (उ.प्र.); दूरभाष : 05278-240176; सचलभाष : 9838382420]	

7. श्रीमद्भगवद्गीता एवं उसका प्रथम अध्याय (साहित्यिक रचना-प्रारूप : एक समालोचना) 90-95

-दीनबन्धु पाण्डेय

[पूर्व विभागाध्यक्ष, कला, इतिहास एवं पर्यटन-प्रबन्ध, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; द्वारा, प्रो. अम्बरीश पाण्डेय, मकान सं. डी-27, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ सायंस एण्ड टेक्नोलॉज़ी, हिसार- 124001 (हरियाणा)]

8. जैन-आगम *'नायाधम्मकहाओ'* में पौराणिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ 96-99

-छगनलाल बोहरा

['बोहरा-निकेत', बोहरा गणेश मार्ग, उदयपुर-313001 (राजस्थान); सचलभाष : 09414164970]

9. *'महावस्तुअवदान'* में बोधिसत्त्व का जीवन दर्शन और महायानी-बौद्धों के विशिष्ट दार्शनिक सिद्धान्त 100-105

-कृष्णकान्त त्रिवेदी

[सेवानिवृत्त प्राध्यापक, प्राचीन भारतीय-इतिहास विभाग, मिथिला रिसर्च इंस्टीट्यूट, दरभंगा; निवास : कबडाघाट, पोस्ट-लालबाग-846004 (बिहार)]

10. प्राचीन भारत में स्त्रीधन-विमर्श और उसके प्रभेद 106-111

-बबीता कुमारी

[शोध-छात्रा, इतिहास-विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)]

11. समुद्रगुप्त के इलाहाबाद-स्तम्भलेख में वर्णित नागदत्त की पहचान 112-115

-ओमप्रकाश लाल श्रीवास्तव

[पूर्व रजिस्ट्रीकरण-अधिकारी, पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति, 12-बी, पी.सी. बनर्जी मार्ग, एलनगंज, इलाहाबाद (उ.प्र.), सचलभाष : 09389922362, ई-मेल : sgeography@gmail.com]

12. Gwalior Jaina Inscriptions of the time of Kīrtisimha, VS 1525 116-126

-Arvind Kumar Singh

[Professor & Head, Deptt. of Ancient Indian History, Culture and Archaeology, Jiwaji University, Gwalior-474011 (M.P.); email : aks_archju@yahoo.co.in]

13. Composite Images of Surya in Oḍiśan Art 127-133

-Rusav Kumar Sahu

[UGC-JRF., P.G. Deptt. of A.I.H.C. & Archaeology, Utkal University, Bhubaneswar-751004; email : sahuroshank@gmail.com; Mob.: 09692496849]

14. आदिवासी बस्तर का घड़वा-शिल्प : धार्मिक कृतियों के विशेष सन्दर्भ में 134-148

-शिवशंकर

[यू.जी.सी. नेट, शोध-छात्र (निर्देशिका : डॉ. ज्योति रूहेला), कला-इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005 (उ.प्र.), ई-मेल : shankarshiv87@gmail.com]

15. Contribution of Dogra Rulers for the Development of Jammu & Kashmir state 149-154

–Jawahir Abass Bhatt

[Shalipora (Katrasoo), Tehsil & District Kulgam-192232 (Jammu & Kashmir), Mob.: 09697399074, email: jawahirabass786@gmail.com]

16. बिहार किसान-आन्दोलन का एक अध्याय और राहुल जी 155-158

–बी॰के॰ श्रीवास्तव

[सहायक-प्राध्यापक, इतिहास-विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)]

* Book Review :

Geography, People and Geodynamics of India in Puranas and Epics : 159-171

A Geologist's by Dr. K.S. Valdiya:

–T.P. Verma

* डॉ॰ सतीश चन्द्र मित्तल कृत 'स्वामी विवेकानन्द की इतिहास दृष्टि' 172-174

–रत्नेश कुमार त्रिपाठी

अंक 18 (2) (विजयादशमी) 2013

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
*	Obituaries : Prof. Awadh Kishore Narain, Dr. K.V. Ramesh, Prof. Shobhana Gokhale **–B.R. Mani** *[Additional Director General, Archaeological Survey of India]*	190-193
*	The obituaries given by foreign scholars to Prof. A.K. Narain	191-193
*	Prof. Shail Nath Chaturvedi : In found memoriam Prof. Prem Sagar Chaturvedi	194-196
*	Awadh Kishore Narain : A Profile	197-200
1.	वैदिक शिक्षा-पद्धति **–रत्नेश कुमार त्रिपाठी** *[शोध-सहायक, भारतीय-पुराण-अध्ययन-संस्थान, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहिब आपटे-स्मृति भवन, 'केशव-कुञ्ज', झण्डेवालान, नई दिल्ली-110055, सचलभाष : 09210312911, ई-मेल : ratneshgkp@gmail. com]*	201–205
2.	परम शिव की सृष्टि : विज्ञान और वेद **–अरूण कुमार** *[डॉ. अरुण कुमार, द्वारा डॉ. भुवन विक्रम, 'पुरातत्त्व- निवास', 103-ए, तोशली अपार्टमेंट, ब्लॉक 6-बी, सत्यनगर, भुवनेश्वर-751007 (ओडिशा), चलभाष : 08895001889]*	206–214
3.	इटली की प्राचीन इत्रुस्कन-सभ्यता में निहित वैदिक तथ्य एवं शवाधानों की भित्तियों एवं पात्रों पर उत्कीर्ण रामायण चित्र **–राजीव रंजन उपाध्याय** *[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर-शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज़, ईरान; संपादक, 'विज्ञान-कथा', आवास : 'विज्ञान', परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001 (उ.प्र.); दूरभाष : 05278-240176; सचलभाष : 09838382420]*	215–252
4.	Sarasvatī : the Civilization and the River **–T.P. Verma** *[397-A, Ganga Pradushan Niyantran Marg, Bhagwanpur, Varanasi-221005; email : tpverma2003@yahoo.co.in; thakurpverma @gmail.com]*	253-266
5.	Indian and Western Asian Cultural Contacts **–D.N. Tripathi** *[A paper submitted at the Indo-Turkish seminar on "Encounter between two Civilizations : India and Turkey in Hisotrical perspective" organized by ICHR, New Delhi, at India International, on February 15th-17th, 2012; Resi.: 'Leela Nilayam', 99-A, Indira Nagar, Gorakhpur-273009 (U.P.)]*	267-286

6. Harappan Terracotta : New Evidence From Khirsara, Kachchh 287-294

–Jitender Nath* & P.Ranadive**

*[*Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India, Excavation Branch V, Vadodara (Gujarat), ** M.S.U., Vadodara (Gujarat)]*

7. Recent Discovery of Pit-dwelling Complex from Faramana II District Rohtak, Haryana 295-301

–Appu Singh, Rajesh Kumar, Vikas Pawar,* Narendra Parmar**

*[Department of History, Maharshi Dayanand University, Rohtak-124001, **Department of Archaeology, Deccan College Post Graduate Research Institute, Pune-411006]*

8. Ethno rock art tradition exemplified through Kaimur range 302-313

–Sachin Kr. Tiwari

*[*Presented a power point presentation on "Depiction of Games in rock art (Pastime fun): An ethno-rock art interpretation" in National Seminar organized by the Department of Culture, Government of Chhattisgarh, Raipur (16th to 18th January 2012); **Assistt. Archaeologist, Archaeological Survey of India, Patna Circle, J.C. Road, Anta Ghat, Patna, 800001 (Bihar), email : sachintiwary@rocketmail.com]*

9. May the Antiquity of Nalanda go back? (Based on recent archaeological investigations) 314-339

–G.K. Lama

[Asst. Professor, Deptt. of A.I.H.C. & Archaeology, Banaras Hindu University (U.P.)]

10. The Soapstone casket Inscription of the time of Vijayamitra 340-343

–P.K. Agarwala

[N 1/54, Amethi Kothi, Nagwa, Varanasi-221005 (U.P.)]

11. अशोक के कौशाम्बी-स्तम्भ पर अंकित समुद्रगुप्त की प्रशास्ति की 7वीं पंक्ति का प्रथम पद 'आर्योहीत्युपगुह्य' नहीं 'एह्योहीत्युगुह्य' 344-347

–दीनबन्धु पाण्डेय

[पूर्व विभागाध्यक्ष, कला, इतिहास एवं पर्यटन-प्रबन्ध, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; द्वारा, प्रो. अम्बरीश पाण्डेय, मकान सं. डी-27, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ सायंस एण्ड टेक्नोलॉजी, हिसार- 125001 (हरियाणा)]

12. पार्वती का तप : पंचाग्नितप मूर्तियों के विशेष सन्दर्भ में 348-257

–अनिल कुमार सिंह

[भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.); सचलभाष : 09414898648; ई-मेल : aksinghbkb01@gmail.com]

13. *मनुस्मृति* में वर्णित शूद्र-वर्ण और दण्ड-विधान 358-365

-हर्षवर्द्धन सिंह तोमर

[क्षेत्रीय संगठन-सचिव, मध्य क्षेत्र, अखिल भारतीय इतिहास-संकलन योजना; 'आराधना', सरदारपुरा, देवास गेट, उज्जैन (म.प्र.); सचलभाष : 09407528546; ई-मेल : harshtomar79@gmail.com]

14. प्राचीन भारत में उत्पादन, वितरण, उपभोग और विनिमय का स्वरूप 366-371

-बबीता कुमारी

[यू.जी.सी. नेट, शोध-छात्र, इतिहास-विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार); ई-मेल : kumaribabita91@yahoo.in]

15. Role of Dogra Rulers Played for the Development of Education in Kashmir (1846-1947 AD) 372-375

-Jawahir Abass Bhat

[Shalipora (Katrasoo), Tehsil & District Kulgam, Jammu & Kashmir-192232; Mob.: 09697399074; email: jawahirabass786@ gmail.com]

* पुस्तक-समीक्षा : डॉ॰ हरवंशलाल ओबराय समग्र (5 खण्ड) 376-378

-सतीश चन्द्र मित्तल

[सेवानिवृत्त प्रोफेसर, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय; आवास : 6/1277-ए, माध वनगर, सहारनपुर-247001 (उ.प्र.); ई-मेल : prof.scmittal @gamil.com]

* अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना वार्षिक साधारण सभा, अयोध्या 379-384

अंक 19 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2014

क्र. शीर्षक **पृ.संख्या**

1. Central Asia Thesis of Vedic Civilization: Vedic Solution of Indo-European Homeland 9-37

   –T.P. Verma

2. ग्रीस और पश्चिमोत्तर भारतवर्ष के स्थानवाची नामों की उभयनिष्ठता एवं भारतीयों का उन क्षेत्रों के विकास में अवदान 38–54

   –राजीव रंजन उपाध्याय

   [पूर्व प्रोफेसर, कैंसर-शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज़, ईरान; संपादक, 'विज्ञान-कथा', आवास : 'विज्ञान', परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001 (उ.प्र.); दूरभाष : 05278-240176; सचलभाष : 09838382420; ई-मेल : rajeevranjan.fzd@gmail.com]

3. अश्व एवं अश्वारोही : ऐतिहासिक सन्दर्भ 55–61

   –एफ॰ के॰ कपिल

   [रघुनाथ मन्दिर के समीप, पैको का वास, पुंगलपाड़ा मार्ग, जोधपुर-342001; फोन : 0291-264236; सचलभाष : 09462098417]

4. भारतीय प्रतीक-परम्परा में स्वस्तिक 62–66

   –अजय कुमार मिश्र एवं राखी रावत

   [प्राचीन इतिहास विभाग, पी.जी. कॉलेज आश्रम, बरहज (देवारिया, उत्तर प्रदेश)]

5. हिंदू-संस्कृति के षोडश संस्कार पर आधारित जन्म-जीवन-मृत्यु 67–71

   –प्रशान्त गौरव

   [असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास-विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर 46, चण्डीगढ़]

6. Dandadaśapārādha and Kumārīsāhasadaṇḍa : Criminal Code for Protection of Women of Ancient Deccan as Gleaned Through Inscriptions 72-77

   –Rupali Mokashi

   [Associate Professor, Department of History, R.K.T. College, Ulhasnagar; Postel Address: A/301, Mangal Murati Cts., Rambagh Lane-4, Kalyan (a), Kalyan-421301, Distt.: Thane, Mumbai; email: dr.rupalimokashi@gmail. com]

7. A View of the Life-style of Gaṇikās in Ancient India 78-82

   –Babita Kumari

   [C/o Sri Gangadhar Jha, (OM Colony), North to M.R.D. Girls High School, At+Po-Sitamarhi (Bazar), Dist.: Sitamarhi (Bihar), Pin-843302; email: kumaribabita91@yahoo. in]

8. Origin of Caste System and Mohyal Brāhmaṇas 83-88

–R.T. Mohan

[Flat no. 401, Daffodil Block, Amravati Enclave, Panchkula-Kalka Highway, Panchkula (Haryana)-134107; Mob.: 09464544728]

9. Administration a Plural Society of India : The Nanda-Maurya Experiment 89-103

–Meghna Goyal

[41-A, Sardar Club Scheme, Jodhpur-342011 (Rajasthan)]

10. Shinkot Casket Inscription of the Time of Menander : A Study with Text 104-115

–P.K. Agrawala

[N-1/54, Amethi Kothi, Nagwa, Varanasi-221005]

11. Inscriptions of Kadawāhā Monastery and Śiva Temple 116-132

–Arvind K. Singh

[Professor, A.I.H.C. & Archaeology, Jiwaji University, Gwalior-474011: email: pr.arvindksingh@gmail.com]

12. A Note on an inscribed Dabber from Kurain (Kanpur) 133-135

–L.M. Wahal

[Panchasheel Aparments, 3A/201, Azad Nagar, Monight Road, Kanpur-208002 (U.P.)]

13. Bhaṭṭaraka Koṭhi Inscriptions at Sonāgir 136-140

–Neelima Mishra

[3A, Lowder Road, Allahabad, Pin-211001]

14. Literary and Archaeological Investigation on the Funeral Practices During Harappan Times 141-151

–Ashwani Asthana

[C/o Kamalini, D-11/211, Kidwai Nagara West, New Delhi-110023; Mob.: 9999316339]

15. बौद्ध धर्म-दर्शन एवं कला का एकात्म : अजन्ता की चित्रकला 152-159

–कुमुद सिंह

[प्रवक्ता, चित्रकला-विभाग, का.सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या (फैजाबाद, उत्तर प्रदेश)]

16. अक्षय कीर्ति : जलदुर्ग गागरोन का इतिहास 160-167

–ललित शर्मा

[मेसर्स जैकी स्टूडियो, 13 मंगलपुरा स्ट्रीट, झालावाड़- 326001 (राजस्थान)]

17. Built Heritage of Kathua District 168-172

–Arjun Singh

[Department of History, University of Jammu, Jammu (J&K); Address: Village, Kamor Camp, P.O. Ramgarh, Thesil and Distt. Samba-181141 (Jammu & Kashmir); email:veerarjunjmu@gmail.com]

* Book Review : Buddhist Cave Tamples of Ancient India

–Thakur Prasad Verma

[Professor (Retd.), Deptt. of AIHC & Archaeology, Banaras Hindu University; Residence: 397-A, Ganga Pradushan Niyantran Marg, Bhagwanpur, Varanasi-221005 (U.P.)]

* पुस्तक-समीक्षा : युगयुगीन दतिया 175-177

–रत्नेश कुमार त्रिपाठी

[शोध-सहायक, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति-भवन, 'केशव कुञ्ज', झण्डेवालान, नयी दिल्ली-110055; सचलभाष : 09210312911; ई-मेल : ratneshgkp@gmail. com]

* योजना समाचार 178-192

अंक 19 (2) (विजयादशमी) 2014

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
*	श्रद्धा-सुमन : श्री अनन्त रामचन्द्र गोखले	197
1.	प्राचीन ग्रीस के एटिका-एथेंस के कुरू एवं भरत जन तथा उमासूना-आमेजंस **–राजीव रंजन उपाध्याय** *[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर-शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज़, ईरान; संपादक, 'विज्ञान-कथा', अवास : 'विज्ञान', परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001 (उ.प्र.); दूरभाष : 05278-240176; 09838382420; ई-मेल : rajeevranjan.fzd@ gmail.com]*	199-208
2.	Indian Archaeology and Tradition : A Historical Perspective **–D.N. Triphati** *[99-A, Indiranagar, (Rasulpur), P.O. Shivapuri, New Colony, Gorakhpur-273016]*	209-217
3.	कौटिलीय अर्थशास्त्र में शिल्प-शिक्षा का स्वरूप **–रूचि श्रीवास्तव** *[पुत्री श्री जगन्नाथलाल श्रीवास्तव, रुद्रपुर रोड, वार्ड नं. 8, गौरी बाजार, देवरिया-274202 (उत्तर प्रदेश)]*	218-223
4.	Iconographical study of the Brāhmaṇical deities in the Vajrayāna pantheon of Buddhism **–G.K. Lama** *[Asst. Prof., Dept. of A.I.H.C. & Archaeology, Centre of Advanced Study, Faculty of Arts, Banaras Hindu University, Varanasi-221005 (U.P.); Mob.: 0995627 5758; email: gklama09@gmail. com]*	224-240
5.	Inscriptions of Dhubelā Museum **–Arvind K. Singh** *[Professor, A.I.H.C. & Archaeology, Jiwaji University, Gwalior-474011; email : aks_archju@yahoo.co.in]*	241-259
6.	महाराजा हेमचन्द्र विक्रमादित्य : एक विस्मृत अग्रदूत **–गुंजन अग्रवाल** *[पूर्व संपादक, 'पगडंडी' (हिन्दी त्रैमासिकी, जमुई); संपादक, 'पटना परिक्रमा' (हिन्दी-वार्षिकी, पटना); पूर्व सह-संपादक, भारतीय पुराण-अध्ययन-संस्थान, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति-भवन, 'केशव-कुञ्ज', झण्डेवाला, नयी दिल्ली-110055; मो.: 09654669293; ई-मेल : gunjanaggrawala@gmail.com]*	260-279
7.	तरौहा अम्बिका-प्रतिमा अभिलेख **–आशीष कुमार दुबे** *[4अ/2/1, म्योराबाद, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)]*	280-282

8. Citrakūṭa : Sacred landscape, holy spots and shrines 283-298

–Vandana Dubey

[4A/2/1, Muirabad, Allahabad-211002 (U.P.)]

9. Manipur in the Freedom Struggle of 1857 299-308

–Yumkhaibam Shyam Singh

[Associate Professor (History), Imphal College, Manipur; email: shyam.history @gmail.com]

10. Role of Raja Hira Singh Dogran in Sikh Darbar (19th Century) 309-313

–Anita Billawaria* and Ranjit Kalra**

*[*Director, Centre for History & Culture of Jammu & Ladakh Regions, University of Jammu, Jammu; **Asstt. Prof., Academic Staff Collage, University of Jammu]*

11. मालवीय जी की हिंदू जीवन-दृष्टि 314-320

–आनन्द मिश्र* एवं बालमुकुन्द पाण्डेय**

*[*कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्यप्रदेश); निवास : मिश्र कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, 'जवाहर कुञ्ज', डबरा, ग्वालियर-475110, दूरभाष : 09826444777; **राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुञ्ज, झण्डेवाला, नयी दिल्ली-110053, ई-मेल : balmukund23@gmail.com]*

12. भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन 321-324

–सतीश चन्द्र मित्तल

[सेवानिवृत्त प्रोफेसर, इतिहास-विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (हरियाणा); निवास : 6/1277 ए, माधव नगर, सहारनपुर-247001 (उत्तर प्रदेश); दूर.: 132-3205527, मो.: 09319480430, ई-मेल : prof.scmittal@gmail.com]

13. Europe Perceives History 325-348

–T.P. Verma

[397-A, Ganga Pradushan Niyantran Marg, Bhagwanpur, Varanasi-221005; emails: tpverma2003@yahoo.co.om, thakurpverma @gmail.com]

14. भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता 349-353

–वेदाचार्य डॉ॰ डेविड फ्रॉले (पं॰ वामदेव शास्त्री),

अनुवाद एवं प्रस्तुति : रत्नेश कुमार त्रिपाठी

[शोध-सहायक, भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना; अतिथि प्राध्यापक, भगिनी निवेदिता कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय); बाबा साहेब आपटे स्मृति-भवन, 'केशव कुञ्ज', झण्डेवालान, नयी दिल्ली-110055, सचलभाष : 09210312911, ई-मेल : ratneshgkp@gmail.com]

* News & Communications 354-365

* Book Review : 'Indus to Ganges' 366-368
C. Margbandhu
* संस्थान की गतिविधियाँ : कलियुगाब्द 5116 (2014 ईसवी) 369-375

अंक 20 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2015

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
*	भारत रत्न श्री अटल विहारी वाजपेयी एवं भारत रत्न महामना पं॰ मदनमोहन मालवीय का अभिनन्दन	5–8
*	श्रद्धा–सुमन : श्री शरद अग्रवाल एवं श्री नरेन्द्र कुमार सिंह **–बालमुकुन्द पाण्डेय** *[राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नयी दिल्ली]*	9–10
1.	ऋग्वैदिक सरमा एवं पणि आख्यान का प्राचीन ग्रीक–पुराकथाओं में रूपान्तरण **–राजीव रंजन उपाध्याय** *[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर–शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज़, ईरान; संपादक, 'विज्ञान–कथा', आवास : 'विज्ञान', परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद–224001 (उ.प्र.); दूरभाष : 05278–240176; सचलभाष : 09838382420; ई–मेल : rajeevranjan.fzd@gmail.com]*	11–16
2.	भरहुत–स्तूप की बौद्ध कला का सामाजिक परिप्रेक्ष्य : एक विश्लेषण **–रूचि श्रीवास्तव** *[पुत्री श्री जगन्नाथलाल श्रीवास्तव, रुद्रपुर रोड, वार्ड नं. 8, गौरी बाजार, देवरिया–274202 (उत्तर प्रदेश)]*	17–23
3.	Characteristics of Akhnur Terracotta: A probe **–Arjun Singh** *[Assistant Professor, Chanderprabhu Jain College of Higher Studies & School of Law, Narella. (Affiliated to Guru Govind Singh Indraprastha University, Delhi); email : veerarjunjmu@gmail.com]*	24-28
4.	Reinvestingating Archaeology and History of the Harappan culture **–Ashwani Asthana** *[Delhi Institute of Heritage Research and Management, 18-A, Satsang Vihar Marg, Qutub Institutional Area, New Delhi-110067; email : ashwani.asthana@rediffmail.com]*	29-52
5.	धातु एवं पाषाण–आधारित औद्योगिक विकास का राज्य और सामाजिक संरचना पर प्रभाव : मौर्यकाल के विशेष सन्दर्भ में **–सुबोध कुमार मिश्र** *[प्रवक्ता, प्राचीन इतिहास, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.); सचलभाष : 08574779415; ई–मेल : mishrasubodh389@gmail.com]*	53–56

6. गोपालकृष्ण का प्रतिमाविज्ञान 57–62

–प्रज्ञा चतुर्वेदी

[वरिष्ठ प्रवक्ता, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश]

7. प्राचीन भारत का प्रमुख शिक्षा–केन्द्र नालन्दा 63–69

–अजय कुमार मिश्र* एवं राखी रावत**

*[*एसोसिएट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, बी.आर.डी.बी.डी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय आश्रम, बरहज, देवरिया (उत्तर प्रदेश); सचलभाष : 09450673191; ई–मेल : mishra.ajai6@gmail.com; **रंजू सिंह महाविद्यालय, सोनाड़ी, देवरिया (उत्तर प्रदेश)]*

8. Three Glorious centuries of Hindu History : Early Indo-Islamic History 70-79
(c. CE 640-1000) of Afghanistan and North-West India

–R.T. Mohan

[Flat No. 401, Daffodil Block, Amaravati Enclave, Panchkula-Kalka Highway, Panchkula-134107 (Haryana); Mob.: 09464544728; email : rtmwrite@ yahoo.co. in]

9. Ṭoṭeśvara Mahādeva Temple of Kadawāhā and its Inscriptions 80-92

–Arvind K. Singh

[Professor, AIHC & Archaeology, Jiwaji University, Gwalior-474011; email : pr.arvindksingh@gmail.com]

10. चन्देलों के नवीन अभिलेख 93–95

–आशीष कुमार दुबे

[4ए/2/1, म्योराबाद, इलाहाबाद–211002 (उत्तर प्रदेश); ई–मेल : ashish1319@g mail.com]

11. Raktamala Copper-plate Grant of [the Gupta] Era 180 96-101

–D.P. Dubey* and S.K. Acharya**

*[*Professor, Dept. of A.I.H.C & Archaeology, Allahabad University, Allahabad-211002; **Professor, Dept. of History, Ravenshaw University, Cuttack, Odisha]*

12. जयचन्द्र का अयोध्या ताम्रपत्राभिलेख : संवत् 1243 102–108

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय; सेवानिवृत्त उपाचार्य, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; निवास : 397–ए, गंगा प्रदूषण नियन्त्रण

मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी-221005 (उ.प्र.); ई-मेल : tpverma2003@yahoo.co.in, thakurverma@gmail.com]

13. सिरवन्त ताम्रपत्राभिलेख (सिद्धार्थनगर, उत्तरप्रदेश) वि॰सं॰ 1417 (ई॰ 1360) 109-116

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय; सेवानिवृत्त उपाचार्य, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; निवास : 397-ए, गंगा प्रदूषण नियन्त्रण मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी-221005 (उ.प्र.); ई-मेल : tpverma2003@yahoo.co.in, thakurverma@gmail.com]

14. Metaphysical Basis of Jain Ethical Tradition 117-119

–John Mohammad Paul

[Research Scholar, Vikram University, Ujjan (M.P.)]

15. Indo-Japan Common Social Customs: A Review 120-131

–G.K. Lama

[Asst. Professor. Dept. of A.I.H.C. & Archaeology, Centre of Advanced Study, Faculty of Arts, Banaras Hindu University, Varanasi-221005 (U.P.); Mob.: 0995627 5758; email : gklama09@gmail.com]

16. Role of Women in Ancient Indian Temples 132-134

–Pravin Kumar Sharma

[Senior Research Fellow, Dept. of Ancient History, Archaeology & Culture, Deendayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur (U.P.)]

17. Ancient Indian Women and Their Activities 135-139

–Babita Kumari

[C/o Er. Gangadhar Jha, (Om Colony), North to M.R.D. Girls High School, At+PO (Bazar) Sitamarhi-843302, Dist. Sitamarhi (Bihar), email: kumaribabita91@yahoo.co.in, skjha513@gmail.com]

18. झालावाड़ के ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थल 140-156

–ललित शर्मा

[द्वारा, मेसर्स जैकी स्टूडियो, 13 मंगलपुरा स्ट्रीट, झालावाड़-326001 (राजस्थान), सचलभाष : 09829896368]

* पुस्तक-समीक्षा : 'प्राच्यबोध' (संपादकत्रय : 157-159
बी॰आर॰ मणि, अरविन्द के॰ सिंह एवं रवीन्द्र कुमार)

–बालमुकुन्द पाण्डेय

[संगठन-सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव कुञ्ज, देशबन्धु गुप्त मार्ग, झण्डेवालान, नयी दिल्ली- 110055; ई-मेल : balmukund23@gmail.com]

* पुस्तक समीक्षा : मनु का दण्ड-विधान (लेखक : डॉ॰ हर्षवर्धन सिंह तोमर, संपा. अभिषेक कुमार मिश्र)

–रत्नेश कुमार त्रिपाठी

[कार्यालय-सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना; शोध-सहायक, भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, केशव-कुञ्ज, झण्डेवालान, नयी दिल्ली-110055; दूरभाष : 011-23675667, 45075911; सचभाष : 09210312911; ई-मेल : ratneshgkp@gmail.com]

***

अंक 20 (2) (विजयादशमी) 2015

क्र. शीर्षक **पृ.संख्या**

श्रद्धा-सुमन :

* डॉ॰ रणजीत सिंह 171-172

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय; सेवानिवृत्त उपाचार्य, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; निवास : 397-ए, गंगा प्रदूषण नियन्त्रण मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी-221005 (उ.प्र.); ई-मेल : tpverma2003@yahoo.co.in, thakurverma@gmail.com]

* डॉ॰ कुँवर बहादुर कौशिक 173-175

–ईश्वर शरण विश्वकर्मा

[प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर- 273001 (उ.प्र.); 27-घ, हीरापुरी कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, गोरखपुर-273001, ई-मेल : isvishwakarma@gmail.com]

1. Role of Mother factor in origin of life on Earth 176-188

–T.P. Verma

[397-A, Ganga Pradushan Control Road, Bhagwanpur, Varanasi-221005 (U.P.); email: tpverma2003@yahoo.co.in]

2. Acheulian Industry of Haryana : an overview 189-194

–Devendra Gupta*, Deepak Kumar & Dillip Kumar Khuswaha*****

*[Professor, Department of AIHC & Archaeolgy, Gurukul Kangari University, Haridwar-249404, Uttarakhan; **Research Scholar, Department of AIHC & Archaeology, Gurukul Kangari University, Haridwar-249404, Uttarakhan; ***Assistant Professor, Department of AIHC & Archaeology, Gurukul Kangari University, Haridwar-249404, Uttarakhand]*

3. Rosetta Stones Validates Indus Script decipherment – Part I 195-219

–S. Kalyanraman

[Sarasvati Research Centre, Chennai; Res.: 3, Temple Avenue, Srinagar Colony, Chennai-600003 (Tamilnadu); email: kalyan97@yahoo.com]

4. A Rare Dog-headed Hooked Sword of the Copper Hoard 220-221

–L.M. Wahal

[Superintending Archaeologist (Retd.), E 812 A, Sector 11, Pratap Vihar, Main Road, Ghaziabad-201009 (U.P.)]

5. वैदिक वाङ्मय में विश्वामित्र का व्यक्तित्व एवं उनकी वंश-परम्परा के सन्दर्भ 222-225

–अरूणा शुक्ला

[एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी), पीएच.डी., वेदाचार्य, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत-विभाग, बी. एल.एम. गर्ल्स कॉलेज, शहीद भगत सिंह नगर, नवांशहर (पंजाब); दूरभाष : 01882-226082, 09465070278; ई-मेल : arunashukla71@yahoo.co.in]

6. Viśvāmitra and his Philosophy in Vālmīkīya Rāmāyaṇa 226-228

–Ruby Jain

[Asst. Professor in Sanskrit, Dept. of Sanskrit, D.A.V. College, Hoshiarpur (Punjab)]

7. ब्रिटनों, स्कॉटो एवं एंग्लो - सैक्सनों के पूर्वज : फोनीसियन 229-249

–राजीव रंजन उपाध्याय

[पूर्व प्रोफेसर, कैंसर-शोध, तबरीज़ विश्वविद्यालय, तबरीज़, ईरान; संपादक, 'विज्ञान-कथा', आवास : 'विज्ञान', परिसर कोठी काके बाबू, देवकाली मार्ग, फैजाबाद-224001 (उ.प्र.); दूरभाष : 05278-240176; सचलभाष : 09838382420; ई-मेल : rajeevranjan.fzd@gmail.com]

8. Jaloer, Elana (Irina) and Swarnagiri : A Study 250-252

–K.S. Shukla

[36, Shuklana, Bangarmau, Unnao (U.P.); email: ksshukla50@rediffmail.com]

9. History of Abhinaya Studies in Indian Tradition : with special reference to Nāṭyaśāstra 253-255

–Sayanika Goswami

[Research Scholar, Sanskrit Department, Gawhati Univeristy; C/o Sri Prafulla Kalita, Santipur, Nallari, Ward No. 7, P.O. & Distt. Nallari-781335 (Assam)]

10. प्राचीन भारत में श्रेणी-संगठन के रूप में सहकारिता की वृत्ति 256-261

–हर्षवर्धन सिंह तोमर

[राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 10196, बाबा साहिब आपटे स्मृति भवन, केशव-कुञ्ज, झण्डेवालान, देशबन्धु गुप्त मार्ग, नयी दिल्ली-110055; मो.: 09210963063; ई-मेल : harshtomar79@gmail.com]

11. Rājadharma : A brief sketch in Smṛti Literature 262-266

–Swapna Borah

[Independent Researcher, C/o Shree Pulakesh Baruha, Vill. & P.O. Niz Pakowa, Distt. Nalbari (Assam); email : swapnaborah123@ yahoo.com]

12. महर्षि वेदव्यास एवं आयुर्वेद (महाभारत के विशेष सन्दर्भ में) 267-270

–नरसिंह चरण पण्डा

[प्रोफेसर, संस्कृत-विभाग, विश्वेश्वरानन्द-विश्वबन्धु संस्कृत भारत-भारती अनुशीलन संस्थान;

सह-सम्पादक विश्वेश्वरानन्द इण्डोलॉज़िकल ज़र्नल, पंजाब विश्वविद्यालय; पंजाब विश्वविद्यालय, साधु आश्रम, होशियारपुर-146021, पंजाब; ई-मेल : ncpanda@gmail.com]

13. महाकवि श्रीसोमदेवभट्टविरचित कथासरित्सागर के आलोक में विक्रमादित्य 271-275

-सदानन्द त्रिपाठी

[शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, उज्जयिनी (म०प्र०)- 456001; ई-मेल : drsntripathi1@gmail.com]

14. तोमर राजवंश के दो अप्रकाशित अभिलेख 276-284

-अरविन्द कुमार सिंह

[आचार्य, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व एवं संकायाध्यक्ष, समाजविज्ञान संकाय, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर; ई-मेल : pr.arvindksingh @gmail.com, aks_archju@yahoo.in]

15. गुप्तगोदावरी प्रस्तर-पट्टिका अभिलेख 285-290

-डी०पी० दुबे* एवं वन्दना दुबे**

*[*प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय-211002ए निवास : 4ए/2/1 म्योराबाद, इलाहाबाद-211002; **भूगोल- विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय-211002]*

16. भारतीय मूर्तिशिल्प में उत्कीर्ण दुर्लभ प्रसवावस्था नारी-प्रतिमाएँ : एक विश्लेषण 291-302

-शिल्पी गुप्ता

[एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास एवं संस्कृति विभाग, वनस्थली विद्यापीठ-304022; ई-मेल : shilpiguptal 1911@gmail.com]

17. भारतीय साहित्य एवं शिल्प में वरूण 303-310

-अनिल कुमार सिंह

[क्यूरेटर, भारत कला भवन, काशी हिन्दू विश्व- विद्यालय, आवास : न्यू एच, हैदराबाद कॉलोनी, बी.एच.यू. परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी- 221001; ई-मेल : aksinghbkb01@gmail.com]

18. हाड़ौती के शिल्प में शिल्प की शास्त्रोक्त प्रतिमाएँ 311-323

-मोनिका गौतम

[11, सुदामा नगर (ग्लास फैक्टरी के सामने), मानसिंहपुरा-टोंक रोड, जयपुर-302018 (राजस्थान)]

19. आदिवासी बस्तर में गोदना-कला : एक अध्ययन 324-335

-शिवशंकर

[2/849, साहित्यनका रामनगर, वाराणसी-221008; मो.: 09335233931]

20. 'पद्मावत' के सन्दर्भ में सहगमन, जौहर एवं शाका : एक विश्लेषण 336–349

–ब्रजेन्द्र कुमार सिंघल

[मशीन टूल्स इण्डिया लि., 284, द्वितीय तल, लेन नं. 3 वेस्ट इण्ड मार्ग, सैदुलाजाब, महरौली, दिल्ली– 110030; ई–मेल : bks@mactool.com]

21. शहजादपुर : अतीत व वर्तमान 350–353

–आशीष कुमार दुबे

[4ए/2/1, म्योराबाद, इलाहाबाद–211002]

पुस्तक समीक्षा

* भारतीय ज्योतिर्विज्ञान एवं हमारी कालगणना की परम्परा 354–356

–ठाकुर प्रसाद वर्मा

[पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय; सेवानिवृत्त उपाचार्य, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; निवास : 397–ए, गंगा प्रदूषण नियन्त्रण मार्ग, भगवानपुर, वाराणसी–221005 (उ.प्र.); ई–मेल : tpverma2003@yahoo.co.in, thakurverma@gmail.com]

* म्हां, झुक्यां हिमालो झुक जावै 356–358

–भवानी शंकर व्यास 'विनोद'

* सरस्वती की कहानी 358–359

–ओमप्रकाश सारस्वत

* एक विश्वविद्यालय शिक्षक की आत्मकथा 360

–डी.बी. मिश्र

* योजना–समाचार 361–364

***

अंक 21 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2016

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	श्रद्धा-सुमन :	
*	डॉ॰ श्रीरामगोयल	1-4
	–डी॰ एन॰ त्रिपाठी	
*	डॉ॰ श्रीरामगोयल	5-12
	–टी॰ पी॰ वर्मा	
1.	Rosetta stones validate Indus Script decipherment (Pt. II)	13-32
	–S. Kalyanaraman	
2.	ऋग्वैदिक "तिस्रों देव्य:" की सरस्वती एवं भारती की मूर्ति रूप हैं, हित्तोफोनिसियन देवी बारती-ब्रितानिया	33-43
	–राजीव रंजन उपाध्याय	
3.	इतिहास विषयक भारतीय और पाश्चात्य अवधारणाएँ	44-47
	–भुवनेश्वर प्रसाद गुरूमैता	
4.	A Brief Survey of Politics on Indian Historiography	48-57
	–Mahavir Prasad Jain	
5.	Sanskrit : the language of the Cambodian Inscriptions	58-62
	–Mahesh Kumar Sharan	
6.	प्रमुख बौद्ध भिक्षुणियाँ	63-66
	–प्रज्ञा मिश्रा	
7.	Tantrayan : the main cause of decline of Buddhism	67-69
	–L.B. Swarnkar	
8.	Concept of festivals in Ancient India	70-73
	–Pravin Kumar Sharma	
9.	कुषाण-कालीन मृण्मूर्त्तिकला तकनीक : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	74-79
	–अनिल कुमार सिंह	
10.	नवागढ़ के जैन अभिलेख	80-85
	–अरविंद कुमार सिंह	
11.	झालावाड़ जिले की अप्रकाशित जैन प्रतिमाएँ	86-89
	–प्रीति शर्मा	
12.	Śiva shrines in the district of Kathua : a probe	90-93
	–Arjun singh	

13. Imperial ideology of Akbar in paintings 94-103
–Kunjeshwari Devi and Vedavati

14. कोटा शैली के प्राकृतिक चित्रों का प्रतीकात्मक स्वरूप 104–108
–मुक्ति पाराशर

15. राष्ट्रीय सशक्तिकरण में इतिहास का महत्व 109–112
–छगनलाल बोहरा

16. Some religious texts of Baiga Tribe in India 113-114
–Amit Kumar Dubey

17. जनजातीय समुदायों के शिक्षा, स्वास्थ्य और रहन–सहन बदलाव में सामुदायिक रेडियो का योगदान (म०प्र० के चाड़ा स्थित बैगा जनजाति के विशेष संदर्भ में) 115–118
–सौरभ कुमार मिश्र

18. The way to Sufism in Jammu and Kashmir with special reference to *Pir* Roshan Shah Wali 119-122
–Anita Billawaria and Jozi Ferhan

19. Indian leader : contemporary opinions (1885-1922) 123-133
–F.K. Kapil

20. मार्क्सवादी चिन्तन के राष्ट्रवाद विरोधी स्वर 134–147
–सुरेन्द्र झा

* प्रतिवेदन–वृत्त 148–158
महासचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना,
नई दिल्ली

***

अंक 21 (2) (विजयादशमी) 2016

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रवाह : एक विश्लेषण **–सतीश चन्द्र मित्तल**	159–167
2.	Buddha and the system of Buddhist Meditation **–I.S. Vishwakarma**	168-171
3.	Faunal Remains from Excavations at Siyapur **–D.P. Tewari, Simina Margareta Stanc and Deepshikha Pandey**	172-195
4.	Some Epigraphical Evidences of Indian Economic System in Ancient Cambodia **–Mahesh Kumar Sharan**	196-201
5.	सरस्वती नदी के साहित्यिक स्रोत : वेदों के विशेष संदर्भ में **–रत्नेश कुमार त्रिपाठी**	202–208
6.	Tezpur through the ages : Its History, Legends and Myth **–Kanak Chandra Sharma**	209-222
7.	नारी सशक्तीकरण का भारतीय चिंतन :एक विश्लेषण **–हर्षवर्धन सिंह तोमर**	223–227
8.	विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा - पद्धति भारतीय आयुर्वेद का सार्वभौम प्रभाव **–प्रशान्त गौरव**	228–233
9.	Temple as a hub in Ancient Indian Society **–Pravin Kumar Sharma**	234-237
10.	Artistic Tradition during the Kushāna Age **–Pallavi Prasad**	238-243
11.	स्वतंत्रता आंदोलन और साम्राज्यवादी षड्यंत्र (बलिया, 1931 ई॰) **–अजय कुमार मिश्र**	244–248
12.	उड़ीसा के मंदिरों में नारी अलंकरण **–आशुतोष त्रिपाठी**	249–254
13.	बंगाल का द्वितीय विभाजन - 1947 **–ए॰ के॰ कपिल एवं भानु कपिल**	255–261

14. भारतीय परंपरा और संस्कृतियों के संवाहक जनजाति समूहों के जीवनचर्या में सामूदायिक रेडियो आने से आये बदलावों का अध्ययन (म०प्र० के नालछा केन्द्रित भील जनजाति के विशेष संदर्भ में) 262–268
–सौरभ कुमार मिश्र

15. मीन–मिथुन (भारतीय कला के मांगलिक प्रतीक चिह्न के रूप में) 269–272
–सुबोध कुमार मिश्र

16. The Baloch Question : History and Legality 273-285
–Ashutosh Singh

अंक 22 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2017

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	भारतीय ऐतिहासिक प्रमाणों की उपलब्धता : एक संक्षिप्त सर्वेक्षण **–सतीश चन्द्र मित्तल**	1–7
2.	अशोक की सारनाथ तीर्थयात्रा **–ठाकुर प्रसाद वर्मा**	8–11
3.	प्राचीन ब्रिटिश शिला पट्टों और मुद्राओं पर शून्यकार लिपि-कप मार्किंग में अंकित सूर्योपासना से संबंधित हित्तो-फोनीशियन अभिलेख **–राजीव रंजन उपाध्याय**	12–23
4.	Contribution of Vārāṇasī to Bharhut Stūpa **–Deena Bandhu Pandey**	24-27
5.	कौटिलीय अर्थशास्त्र में वर्णित पशुविषयक विधि **–अनघा अ॰ गावस्कर**	28–32
6.	Art and Architecture as Reflected in the Archaeological Material ramains in Jammu Region **–Arjun Singh**	33-36
7.	प्राचीन भारत में मुद्रा-व्यवस्था : एक अध्ययन **–बबिता कुमारी**	37–42
8.	प्राचीन भारतीय इतिहास में लौह एवं लौह-तकनीक **–प्रशान्त गौरव**	43–49
9.	आदिवासी बस्तर का लौह शिल्प : अनुष्ठानिक कृतियों के विशेष संदर्भ में **–शिवशंकर**	50–66
10.	प्राचीन भारतीय समाज में संस्कार : महाकवि दण्डी प्रणीत दशकुमारचरित के विशेष संदर्भ में **–सुबोध कुमार मिश्र**	67–70
11.	Shah Ismail and Taqwiyat ul Iman (Strengthening of the faith) in Historical Perspective **–Mahavir Prasad Jain**	71-79
12.	क्रान्तिकारी दर्शन, साहित्य और प्रतिबंध **–नरेन्द्र शुक्ल**	80–88
13.	औपनिवेशिक काल में राजपूताने की सेना के वैदेशिक अभियान **–रजनी मीना**	89–92

14. भारत में अफीम का उत्पादन, विपणन एवं साम्राज्यवाद 93–98
–धर्मचन्द चौबे

15. 18वीं शताब्दी में मारवाड़ राज्य में स्त्रियों की पैतृक–सम्पत्ति में भागीदारी 99–104
–कैलाश रानी

16. भारत के वामपंथी राजनीति में "हथियारबंद क्रान्ति" की नियति 105–113
–राजेश प्रसाद

17. Indian State and Health of the People 114-129
–Sanjay Kumar

18. इतिहास विषय और युवा दिल्ली 130–139
–हेमलता यादव

* पुस्तक समीक्षा
प्राचीन इतिहास के पुराने तथ्य एवं पुरानी व्याख्या 140–145
–प्रशान्त गौरव

* अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना (संगठन की गतिविधियाँ) 146–154
–ईश्वर शरण विश्वकर्मा

अंक 22 (2) (विजयादशमी) 2017

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	Karl Marx and the Great Revolution of 1857 **–S.C. Mittal**	155-157
2.	Siva and his family in Harappa Civilization **–T.P. Verma**	158-170
3.	A New Light on the trend of Syncretism in Brahmanical Iconography **–Rahman Ali**	171-179
4.	Propagation of Buddhism in Kashmir- A Probe **–Arjun Singh**	180-186
5.	प्राचीन ब्रिटेन में सूर्य उपासना एवं उससे संबद्ध बेल-फायर उत्सव **–राजीव रंजन उपाधयाय**	187-198
6.	History of the Study of Comparative Religion With Reference to Indian Tradition (A brief historigraphic profile of comparative religion tradition) **–Vibha Upadhyaya**	199-205
7.	वाक्यपदीय के भर्तृहरि की विलक्षण परम्परा **–सुस्मिता पाण्डे**	206-208
8.	दूर संवेदन पद्धति-उपगृह की तस्वीरों से प्राचीन भारत के वैश्विक-कॉस्मिक-नगरों की खोज और पहचान **–पी॰एस॰ ठक्कर**	209-216
9.	प्राचीन श्रीलंका में विज्ञान एवं तकनीक ज्ञान **–विजय लक्ष्मी शर्मा**	217-220
10.	बेजोड़ और अनुपम बराबर नागार्जुन गुफाएँ **–राकेश कुमार सिन्हा**	221-227
11.	प्राचीन भारत में सती प्रथा का मिथ्य एवं यथार्थ **–प्रशान्त गौरव**	228-235
12.	Global Contribution of Karmanasa Valley in assessing the introduction and dating of iron working in India **–Manisha Singh & Vikas Kumar Singh**	236-244
13.	युग-युगीन चीन की भारतीय छवि (Indian image of China Through the Ages) यात्री, वृतांत एवं बदलता परिप्रेक्ष्य **–धर्मचन्द्र चौबे**	245-251

14. Auranzeb and Polarization of Society in the Indian Subcontinent 252-260
–Mahavir Prasad Jain

15. निर्मल अखाड़ा : उद्‌भव विकास एवं सामाजिक योगदान का ऐतिहासिक अध्ययन 261–268
–कमलेश पन्त, राजपाल सिंह

16. औपनिवेशिक काल में हिंदी में इतिहास–लेखन में काशी नागरीप्रचारिणी सभा का योगदान 269–273
–राकेश कुमार दूबे

17. मॉरीशस की लोककथाओं में गिरमिटियों की छवि 274–278
–धनंजय सिंह

18. भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान वृत्त 279–280
–व्रजेन्द्र मालवीय

अंक 23 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2018

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	स्थानीय इतिहास का लेखन **–सतीशचन्द मित्तल**	1–5
2.	Lost River Saraswati and Life on the Plains : Environmental Interaction and Archaeology **–Ravindra N. Singh, Vikas Kumar Singh, Manisha Singh and Cameron A. Petrie**	6-14
3.	अज, खर एवं अश्व–ऋग्वैदिक संदर्भ **–राजीव रंजन उपाध्याय**	15–20
4.	March of History and Role of Individual as Perceived in *Bhagavadgita* **–Krishna Gopal Sharma**	21-23
5.	महाभारत में धर्म का स्वरूप **–लक्ष्मी नारायण**	24–31
6.	The Economic Systems Under the Kushanas **–Pallavi Prasad**	32-36
7.	राजगीर की दीवार की विशिष्टता **–राकेश कुमार सिन्हा**	37–40
8.	Historical Tradition of Folk Art with Special Reference in Cultural Landscape **–Vivek Shukla**	41-45
9.	दक्षिण–पूर्वी एशिया के देशों को लिपि और भाषा के क्षेत्र में भारत का योगदान **–महावीर प्रसाद जैन**	46–51
10.	The 'Gift after Gift' in the Inscriptions of Early Medieval Odisha **–Subrata Kumar Acharya**	52-55
11.	Representation of Vernacular Literatures of Medieval Bengal from 13th to 18th centuries **–Adity Chowdhury**	56-64
12.	आदिवासी बस्तर का मृत्तिका शिल्प: एक सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक अध्ययन **–शिवशंकर**	65–82
13.	गढ़वाल हिमालय के लोकगीतों में रामायण परम्परा : एक ऐतिहासिक सन्दर्भ **–शिवानी रावत, डी॰पी॰ सकलानी**	83–90

14. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन में राष्ट्रवाद 91–94
–राघवेन्द्र यादव

15. गांधी और कांग्रेस संगठन : एक समीक्षा 95–102
–एफ॰ के॰ कपिल

16. Two Painting Exhibitions and Rai Rajeshwar Bali : Historic Revival of Arts under A Pre-reform Government 103-105
–Vishvas Shukla

17. A Viable Model of Character Building : Case Study of the Largest Voluntary Oraganization of India 106-115
–A. Dhiraj, Dr. Ashok Kumar, Dr.Manoj Joshi

18. युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी : इतिहास लेखन और पाठ्यक्रम : विसंगतियाँ एवं नवीन परिप्रेक्ष्य 116–122
–रत्नेश कुमार त्रिपाठी, छोटेलाल पाण्डेय

अंक 23 (2) (विजयादशमी) 2018

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	भारतीय इतिहास लेखन में तिथिक्रम की समस्या **–ईश्वर शरण विश्वकर्मा**	1–4
2.	Pre-historic Culture of Jammu region:A Historical retrospection **–Arjun Singh**	5-9
3.	उत्तर–पूर्वी राजस्थान की चित्रित धूसर मृदभाण्ड एवं लौह युगीन संस्कृति **–सुदर्शन चक्रधारी एवं विकास कुमार सिंह**	10–14
4.	The History of Shaivism In Jammu and Kashmir **–Rajesh Sharma, Dr. Versha Gupta**	15-22
5.	बाल्मिकी नगर (पश्चिमी चम्पारण जिला, बिहार) क्षेत्र की अन्वेषित गणेश प्रतिमाएँ **–मनोज कुमार**	23–25
6.	Gayadham: The Most Sacred Tirtha of the Vaishnava World **–Mahesh Kumar Sharan**	26-28
7.	दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया में भारतीय धर्म एवं अध्यात्म **–निहारिका लाभ**	29–31
8.	भारत में जनकल्याण और जन अधिकारों के संरक्षक प्राचीन राजवंश **–डी.सी. चौबे**	32–36
9.	Ethnicity of Hindu Shahis of Kabul (C. 843-1026 Ce) : Last Bulwark of Hindu Resistance on India's North-West Frontier **–R.T. Mohan**	37-46
10.	कुतुब परिसर के गैर इस्लामी अवशेष : एक समीक्षा **–राघवेन्द्र कुमार राय**	47–48
11.	अकबर के राम–सीय प्रकार के सिक्के **–ठाकुर प्रसाद वर्मा**	49–54
12.	मुस्लिम शासनकाल में मुस्लिम स्त्रियों की सामाजिक स्थिति **–प्रशान्त गौरव**	55–59
13.	Cambridge Historiography of Civil Disobedience:A Critical Appraisal **–Mona Gulathi**	60-68
14.	Historical Tradition of Folk Art with Special Reference in Cultural Landscape **–Vivek Shukla**	69-73

15. मारीशस में भारतीय संस्कृति के प्रसार में 'बैठका' की भूमिका 74–77
–अजीत कुमार राय

16. सल्फी : आदिवासी बस्तर का एक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वृक्ष 78–89
–शिवशंकर

17. भारत छोड़ो आंदोलन एवं हरियाणा : एक अध्ययन 90–92
–नीरज कुमार

18. अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष : प्रतिबन्ध और मुक्ति 93–97
–नरेन्द्र शुक्ल

19. पुस्तक समीक्षा 98–99
'महामना मदनमोहन मालवीय : व्यक्तित्व एवं विचार'
–ईश्वर शरण विश्वकर्मा

अंक 24 (1) (वर्ष प्रतिपदा) 2019

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
1.	गांधीजी का धार्मिक चिन्तन **–सतीश चन्द्र मित्तल**	1–7
2.	राज, राज्य और राष्ट्र : भारतीय ज्ञान परम्परा के विशेष सन्दर्भ में **–रत्नेश कुमार त्रिपाठी**	8–11
3.	Purāṇic background of the Religious Cults and Art of the Katyuris of Kumaon **–Susmita Pande**	12-27
4.	Dharmaśāstras on Adultery **–Mahesh Kumar Sharan**	28-30
5.	रबातक अभिलेख एवं कुषाण इतिहास **–पल्लवी प्रसाद**	31–34
6.	भारत में जनकल्याण और जन अधिकारों के संरक्षक प्राचीन राजवंश **–डी.सी. चौबे**	35–39
7.	New look on the Archaeology of the Karmanasa Valley an Overview **–Vikas Kumar Singh**	40-42
8.	पूर्वजों का मोक्ष एवं श्रद्धांजलि स्थल गया **–मो॰ सईद आलम**	43–47
9.	Performing Traditions of Ramayana in Central Himalaya **–D P. Saklani & Shivani Rawat**	48-55
10.	झेलम के युद्ध में सिकंदर की जय या पराजय: एक समीक्षा **–बृज मोहन**	56–64
11.	हिन्दू परिवार एवं विवाह के उद्‌गम में गृहस्थ आश्रम **–प्रशान्त गौरव**	64–71
12.	Madrik River Holy Devika **–Advocate Sumer Khajuria**	72-77
13.	नेपाल के लिच्छवि राजाओं का काल एवं उपाधि : अभिलखों के आधार पर **–दुष्यन्त कुमार शाह**	78–80
14.	Sana Chahi Ahum and The Kingdom of Manipur In 1857 **–Yumkhaibam Shyam Singh**	81-85

15. झारखंड के मंदिर स्थपात्य 86–92
–शत्रुघ्न कुमार पाण्डेय
16. अनूठा व अद्वितीय हुमा का वक्र विमलेश्वर महादेव मंदिर 93–101
–राकेश कुमार सिन्हा
17. Sources of the History of Medieval Bihar - A Review 102-104
–Aditya Chandra Jha
18. Indigenous Beliefs and Practices of the Khasis of Meghalaya : An Anthropological Study 105-111
–Papiya Bose
19. लोकमान्य तिलक की राष्ट्रवाद की अवधारण 112–114
–शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
20. Exploring Hinduism : Purucharthas and their Relevance in Modern Times 115-123
–Biresh Chaudhuri
21. एकादश राष्ट्रीय अधिवेशन प्रतिवेदन 124–127
–छोटेलाल पाण्डेय

अंक 24 (2) (विजयादशमी) 2019

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
*	श्रद्धांजलि : स्व. प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल **–संपादकद्वय**	vii-viii
*	श्रद्धांजलि : प्रोफेसर सतीश चन्द्र मित्तल **–ईश्वर शरण विश्वकर्मा, बालमुकुन्द पाण्डेय**	ix-xii
1.	इतिहास की अवधारणा **–सतीश चन्द्र मितल**	1–6
2.	Emerging Dimension of Harappan Archaeology **–T. P. Verma**	7-13
3.	धर्मशास्त्रीय विधि–निवेश की परम्परा : अवधारणा एवं इतिवृति **–हर्षवर्द्धन सिंह तोमर**	14–22
4.	दर्शन, धर्म एवं आचरण : एक वैश्विक जीवन दृष्टि एवं शैली **–हरि शंकर प्रसाद**	23–46
5.	Perceiving Aims and Objectives of Marriage in Hindu Family : A Critical Reflection **–Swasti Alpana**	47-55
6.	मथुरा कला में वैदिक एवं पौराणिक धर्म सम्बन्धी देवों की मूर्तियाँ : एक संक्षिप्त अध्ययन **–सुदीप शर्मा**	56–70
7.	मध्यप्रदेश उतरी की वैष्णव मूर्तिकला का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विश्लेषण **–आनन्द कुमार शर्मा**	71–78
8.	जैन एवं बौद्ध धर्म में पर्यावरणीय चिन्तन **–रितेश्वर नाथ तिवारी**	79–82
9.	Religious Philosophy, Belief System and Moral Ethics Among the Tangsa and the Tutsa Tribes of Arunachal Pradesh **–Narayan Singh Rao**	83-92
10.	History of Buddhism in Ladakh **–Rajesh Sharma**	93-97
11.	Propagation of Buddhism in Kashmir -A Probe **–Arjun Singh**	98-104
12.	ठाकुर अमरचन्द्र बड़वा : मेवाड़ का एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व **–छगनलाल बोहरा**	105–107

13. भारतीय इतिहास की कतिपय गौरवमयी परम्परा एवं इतिहास लेखन की विडम्बनाएँ 108–110
–जय लक्ष्मी कौल

14. Annie Besant's Service to the Cause of Indian Renaissance : A Biographical Sketch 111-115
–D. D. Pattanaik

15. Social Base of Indian Nationalism Champaran and After 116-122
–Himanshu Chaturvedi

16. सुभाषचन्द्र बोस एवं राजनीतिक यथार्थवाद 123–126
–मनोज कुमार तिवारी

17. स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका 127–130
–नील मराठी

18. दीनदयाल उपाध्याय और एकात्म अर्थनीति 131–134
–श्रवण सिंह बघेल

19. नाथयोग : दर्शन एवं स्वरूप 135–140
–पद्मजा सिंह

20 महाराणा कुम्भा : एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व 141–151
–सौरभ कुमार मिश्र

21. Observations On The Historiography Of Jammu And Kashmir (1925 -47) 152-157
–Sindhu Kapoor

22. तृतीय युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रतिवेदन 158–161
–छोटे लाल पाण्डेय, कर्ण कुमार

23. आधुनिक भारत के निर्माण में सुभाष चन्द्र बोस का योगदान 162–164
–मनीषा कुमारी

अंक 25 (1 एवं 2) (वर्ष प्रतिपदा एवं विजयादशमी) 2020

क्र.	शीर्षक	पृ.संख्या
	प्राक्कथन	(vii)
1.	इतिहास मनीषी प्रो. (डॉ.) ठाकुर प्रसाद वर्मा–श्रद्धांजलि **–ईश्वर शरण विश्वकर्मा**	1–5
2.	पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर–व्यक्तित्व एवं कृतित्व **–ईश्वर शरण विश्वकर्मा**	6–10
3.	भारतीय-राष्ट्रीय चिन्तन के मूल तत्त्व **–सतीश चन्द्र मित्तल**	11–24
4.	Dimensions Of V eritable Indian Nationalism **–D.D. Pattanaik**	25-32
5.	Graffiti on Potteries from Ganeshwar and Indus-Saraswati Civilization **–Ravindra N. Singh, Vikas Kumar Singh, Manisha Singh, Aftab Alamand Dheerendra Pratap Singh**	33-42
6.	The Karmanasa Valley : An Emerging Archaeological Arena in India **–Vikas Kumar Singh**	43-48
7.	Ganeshwar-Jodhpura Complex : A Material Review **–Sudarshan Chakradhari**	49-52
8.	निचले गंगा-यमुना दोआब में अधिवास प्रक्रिया: नवीन पुरातात्त्विक परिप्रेक्ष्य **–अखिलेश कुमार चौबे**	53–58
9.	Uttarakuru and the Slavs **–Subhash Kak**	59-66
10.	पुराकालीन पश्चिमी एशिया क्षेत्र के भारतीय वैदिक नृप एवं इसी क्षेत्र में श्री राम को देवत्व-प्राप्ति **–राजीव रंजन उपाध्याय**	67–74
11.	गंगा : प्रवाह की संस्कृति से संस्कृति के प्रवाह तक **–राजेश मिश्र**	75–76
12.	शेल्डन पॉलक की रामायण व्याख्या : एक विवेचनात्मक प्रत्युत्तर **–विभा उपाध्याय**	77–88
13.	Rethinking Mahabharata and Saraswati-Sindhu Civilization **–Shubham Kewaliya**	89-98

14. Buddhist Signs at Tatapani and Tulmuchi in Kishtwar (J&K) -APreliminary Study 93-102
–Rajesh Sharma

15. सामाजिक समरसता के युग प्रवर्त्तक संत रामानन्द 99–102
–धर्मचन्द चौबे

16. स्त्री–सम्पत्ति विभाजन के नियमों का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण 103–107
–संतोष कुमार शुक्ल / संगीता राय

17. प्रारम्भिक भारतीय आर्थिक विनिमय 108–117
–अमित कुमार उपाध्याय

18. प्राचीन इतिहास के कलात्मक स्त्रोत 118–121
–प्रज्ञा चतुर्वेदी

19. मालवांचल देवबड़ला की परमारकालीन स्थापत्य कला एवं मूर्त्ति कला 122–130
–ध्रुवेन्द्र सिंह जोधा

20. मंदिर स्थापत्य की वलभी शैली के मंदिरों का कालक्रम 131–144
(उत्तराखण्ड के वलभी मंदिरों के विशेष संदर्भ में)
–अभिनव तिवारी

21. बौद्ध स्मारकों के जीर्णोद्धार में पाल राजाओं का योगदान 145–147
–प्रशान्त कश्यप

22. प्राचीन भारतीय साहित्यों में वर्णित सूर्योपासना एवं प्रतिमा निर्माण विधान : 148–152
एक समीक्षात्मक अध्ययन
–श्याम प्रकाश

23. दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीयता 153–156
–महेश कुमार शरण

24. चम्पा की शिल्पकला में प्रदर्शित शिव के विविध स्वरूप 157–164
–अनामिका सिन्हा

25. नेपाल में कला का विकास एवं उस पर भारतीय प्रभाव 165–169
–दुष्यंत कुमार शाह / विक्रम सिंह चौधरी

26. कुणिन्द जनजाति का इतिहास 170–174
–रमेश चन्द्र खन्डूड़ी

27. The Santhal 'Hool' Of 1855: Reconstructing The History Within 175-177
The Spiritual Domain
–Rajesh Kumar Nayak

28. Safeguarding the Culture Heritage in Himalayas: Lifestyle of Gujjars Tribe of Jammu Region 178-182
–Paramjeet Kour

29. An Attempt to Analyze the Colonial Construct of Indian History 183-189
–Heramb Chaturvedi

30. Gandhian Religion: Historical Appraisal 190-193
–Sayamtara Jash

31. बनारस में गाँधी 194–200
–अनुराधा सिंह

32. प्रेमचंद की प्रतिबंधित हिंदी कहानियाँ 201–205
–आशुतोष कुमार पाण्डेय

33. Article 370–Genesis and Repercussions 206-216
–Annu Bala Kotwal

34. Exploring Link between History of the Place and Development Prospects through Tourism 217-216
–Priyanka Singh / Pravin S. Rana

35. Further Excavations at Sakas, District Sasaram (Rohtas), Bihar (2019-2020) 222-227
–Vikas Kumar Singh, Ratnesh Tripathi,
Manisha Singh, C.L. Pandey, Sudarshan
Chakradhari1, Brij Mohan, Aftab Alam 1,
Ravindra N.Singh

36. पुस्तक समीक्षा 228–232
–ईश्वर शरण विश्वकर्मा

37. एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी–ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में महामारी : कारण एवं निवारण 233–236
–प्रज्ञा मिश्रा